संपूर्ण भारत के लिए एक प्रकाशन

# दैनिक घटती घटना

RNI Reg.No.-CHHHIN/2004/15050
Postal Reg.No.-13/Surguja DN/2023-2025

Www.ghatatighatana.com

Ghatatighatana11@gmail.com

अम्बिकापुर,वर्ष 20,अंक -36 गुरूवार ,07 दिसम्बर 2023 , पृष्ठ - 8 मूल्य 2 रूपये

# तूफान मिचौंग से चेन्नई में तबाही

» 72 घंटे से बिजली नहीं

» इंटरनेट बंद; वायु सेना के हेलिकॉप्टर से खाना पहुंचाया जा रहा

**चेन्नई,06 दिसम्बर 2023(ए)।** बंगाल की खाड़ी से 2 दिसंबर को उठा साइक्लोन मिचौंग 5 दिसंबर को आंध्र प्रदेश तट से टकराया। उससे पहले तूफान ने चेन्नई में काफी तबाही मचाई। यहां एक दिन में सबसे ज्यादा 50 सेमी बारिश हुई। बारिश के चलते कई इलाके पिछले दो दिनों से बाढ़ में डूबे हैं। कई इलाकों में 72 घंटे से बिजली नहीं आ रही, इंटरनेट बंद है। भारतीय वायु सेना के हेलिकॉप्टर

से बाढ़ में फंसे लोगों तक खाना पहुंचाया जा रहा है।

तमिलनाडु में तूफान की वजह से राज्य में 2 दिनों में 3 महीने की बारिश हुई। चेन्नई शहर पानी में डूब गया, जिससे 20 लोगों की मौत हो गई।

स्टालिन ने बुधवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर 5060 करोड़ रुपए की मदद मांगी। DMK सांसद टीआर बालू ने इसे राष्ट्रीय आपदा घोषित करने की मांग की।

राज्य के चेन्नई, चेंगलपट्टू, तिरुवल्लूर और कांचीपुरम जिलों में स्कूलों में होने वाली छमाही परिक्षाएं पोस्टपोन कर दी गई।

पीएम मोदी ने एक्स (पहले ट्विटर) पर चक्रवात के चलते जान गंवाने वाले लोगों के प्रति संवेदना जताई।

महानिदेशक ने बुधवार को कहा- तूफान मिचौंग कमजोर हो गया है। अब इससे किसी नुकसान का खतरा नहीं है। उधर, साइक्लोन के चलते ओडिशा में बारिश हो रही है।

## लालदुहोमा 8 दिसंबर को लेंगे मिजोरम के सीएम पद की शपथ

**आइजोल,06 दिसम्बर 2023(ए)।** मिजोरम की जनता का इंतजार अब खत्म हो चुका है। राज्य में अब लालदुहोमा (मनोनीत मुख्यमंत्री) 8 दिसंबर को सुबह 11 बजे राजभवन लॉन में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेंगे। मिजोरम के राज्यपाल डॉ. हरि बाबू ने कहा, कि लालदुहोमा (मनोनीत मुख्यमंत्री), जिन्हें जीपीएम के विधायक दल के नेता के रूप में चुना है। राज्यपाल ने कहा कि लालदुहोमा ने आज मुझसे मुलाकात की और सरकार बनाने का दावा पेश किया। मैंने उन्हें मुख्यमंत्री नियुक्त किया और सरकार बनाने के लिए आमंत्रित किया। शपथ ग्रहण समारोह 8 दिसंबर को सुबह 11 बजे राजभवन लॉन में फिक्स किया जा रहा है।÷

बता दें कि मिजोरम समेत पांच राज्यों में विधानसभा चुनाव हुए, जिसमें मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, राजस्थान के सीएम फेस को लेकर अभी हलचल मची हुई है।

## जम्मू और कश्मीर से जुड़े दोनों विधेयक लोकसभा में पारित

**केंद्रीय विवि संशोधन बिल पेश**

**दिल्ली,06 दिसम्बर 2023(ए)।** आज संसद के शीतकालीन सत्र का तीसरा दिन है। आज लोकसभा में जम्मू-कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2023 लोकसभा से पारित हो गए है। इस दौरान अमित शाह ने कहा कि अमित शाह ने कहा, 'मैं जो विधेयक (जम्मू-कश्मीर आरक्षण संशोधन अधिनियम 2023 और जम्मू कश्मीर पुनर्गठन संशोधन विधेयक 2023) लेकर आया हूं वो 70 वर्षों से जिन पर अन्याय हुआ, अपमानित हुए और जिनकी अनदेखी की गई, उनको न्याय दिलाने का विधेयक है।

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नाम के साथ सम्मान जुड़ा है, इसे वही लोग देख पाते हैं, जो अपने से पीछे रह गए लोगों की अंगुली पकड़ कर

संवेदना के साथ उन्हें आगे बढ़ाना चाहते हैं। वो लोग इसे नहीं समझ सकते, जो इसका उपयोग वोटबैंक के लिए करते हैं। नरेन्द्र मोदी ऐसे नेता हैं, जो गरीब घर में जन्म लेकर देश के प्रधानमंत्री बने हैं, वह पिछड़ों और गरीबों का दर्द जानते हैं।

केंद्रीय विश्वविद्यालय (संशोधन) विधेयक, 2023 लोकसभा में पेश किया गया है। इस दौरान बिल पर चर्चा की जाएगी और इसे पारित किया जाएगा। इसके साथ ही लोकसभा में जम्मू-कश्मीर से जुड़े दो विधेयक भी लोकसभा में पारित किए गए हैं।

जम्मू और कश्मीर आरक्षण (संशोधन) विधेयक 2023 और जम्मू और कश्मीर पुनर्गठन (संशोधन) विधेयक 2023 लोकसभा से पारित हुए।

**बैक डेट पर फाइल निपटा रहे अफसरों को**

## पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. रमन ने दी चेतावनी

**रायपुर,06 दिसम्बर 2023(ए)।** छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के बाद भारतीय जनता पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिल चुका है और मुख्यमंत्री भूपेश बघेल अपना इस्तीफा राज्यपाल को सौंप चुके हैं। सत्ता परिवर्तन की इस प्रक्रिया के बीच आज भाजपा के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ रमन सिंह ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर प्रशासनिक अधिकारियों को समझाइश दी है। डॉ रमन सिंह ने अपनी पोस्ट में लिखा कि आज कुछ सूत्रों से मुझे यह जानकारी प्राप्त हुई है कि प्रदेश के कुछ अधिकारी महत्त्वपूर्ण फ़ाइलों को बैक डेट अंकित कर स्वीकृत कर रहे हैं जोकि पूर्णतः अनुचित है।

मैं ऐसे सभी अधिकारियों को बताना चाहता हूँ कि आप प्रशासनिक व्यवस्था के हिस्से हैं और जब तक प्रदेश में नई सरकार का गठन नहीं होता तब तक ऐसे किसी भी प्रकार के अनुचित कार्य करने से आप सभी को बचना चाहिए।

## विधानसभा चुनाव जीतकर आए छत्तीसगढ़-एमपी,राजस्थान के सांसदों ने दिया इस्तीफा

**दिल्ली,06 दिसम्बर 2023(ए)।** विधानसभा चुनाव जीतकर आए छत्तीसगढ़ और एमपी के बीजेपी सांसदों ने इस्तीफा दे दिए है। जिसमें छग के अरुण साव, रेणुका सिंह और गोमती साय भी शामिल है। वही राजस्थान से राज्यसभा सांसद किरोड़ी लाल मीणा के भी नाम है. खबर ये भी है कि भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा आज शाम दिल्ली में पार्टी मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय महासचिवों की बैठक की अध्यक्षता करेंगे. इस्तीफा देने वालों में 12 सांसद शामिल है।

**शनिवार को सीएम के नामों का ऐलान करेगी बीजेपी**

इसी हफ्ते शनिवार को बीजेपी तीनों राज्यों के सीएम के नाम का ऐलान करेगी। कल राजस्थान, मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ में प्रर्यवेक्षक भेजे जायेंगे। ये पर्यवेक्षक तीनों राज्यों में विधानसभा में अपने नेताओं का चुनाव करने के लिए नवनिर्वाचित विधायकों की बैठकों की निगरानी करेंगे। जिसके बाद विधायक दल की बैठक होंगी। आज कल या कल सुबह तक सभी पर्यवेक्षक के नाम तय कर दिए जाएंगे।

**एमपी-राजस्थान के इन सांसदों ने दिया इस्तीफ़ा**

विधानसभा चुनाव में जीतकर आए सभी सांसदों ने अपने पद से इस्तीफ़ा दे दिया है। सूत्रों के मुताबिक मध्य प्रदेश से जहां नरेंद्र सिंह तोमर, प्रह्लाद पटेल,राकेश सिंह, रीती पाठक ने इस्तीफा दिया है,वहीं राजस्थान के सांसद दीया कुमारी, राज्यवर्धन राठौड़, और किरोड़ी लाल मीणा ने भी इस्तीफा दे दिया है।

## पंजाब के पूर्व सीएम चन्नी समेत कई नेताओं को राहत

**हाईकोर्ट ने रद्द की कोविड प्रोटोकाल उल्लंघन की एफआईआर**

**चंडीगढ़ ,06 दिसम्बर 2023(ए)।** पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट से पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री चरणजीत चन्नी, आम आदमी पार्टी और कई भाजपा नेताओं के खिलाफ एफआईआर रद्द करने के आदेश दिए हैं। इनके खिलाफ कोविड प्रोटोकाल तोड़ने के खिलाफ एफआईआर हुई थी।

इन नेताओं में मलविंदर कंग, अरुण नारंग, भाजपा के अश्वनी शर्मा, विजय सांपला, तरुण चुग, मनोरंजन कालिया, जीवन गुप्ता, बलदेव चावला, तीक्ष्ण सूद, सुभाष शर्मा, मास्टर मोहन लाल, सुरजीत कुमार ज्याणी और के.डी. भंडारी के नाम शामिल हैं। इन सभी के खिलाफ आईपीसी की धारा-188 के तहत अलग अलग जगह पर एफआईआर दर्ज की गई थी।

## हार गई जिंदगी की जंग राजगढ़ में बोरवेल में गिरी मासूम

**राजगढ़,06 दिसम्बर 2023(ए)।** मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले में बीती शाम बोरवेल के गडढे में गिरी पांच साल की मासूम को बाहर तो निकाल लिया गया, मगर वो जिंदगी की जंग हार गई। मासूम को उपचार के लिए भोपाल लाया गया था, जहां उसकी मौत हो गई।

यह हादसा पिपलिया के रसोड़ा गांव में हुआ जहां पांच साल की मासूम माही बोरवेल के गड्ढे में गिर गई, जिसे बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ ने मिलकर अभियान चलाया।

लगभग 10 घंटे चले राहत और बचाव अभियान के बाद

माही को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

बताया गया है कि माही अपने मामा नाना के गांव पिपलिया रसोड़ा आई थी और वह खेत में खेल रही थी तभी वह गड्ढे में जा गिरी।

लगभग डेढ़ सौ फीट गहरे गड्ढे में गिरी माही 17 फीट की गहराई पर फंस गई थी। उसे सांस में दिक्कत न हो इसके लिए ऑक्सीजन की आपूर्ति की गई। साथ ही लगातार उससे बातचीत का सिलसिला जारी रखा गया।

उसे सुरक्षित बाहर निकल गया मगर उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। बोरवेल से बाहर निकल जाने के बाद उसे भोपाल के हमीदिया अस्पताल लाया गया जहां उपचार शुरू हुआ मगर उसे बचाया नहीं जा सका।

## सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को गोली मारने वाले दो शूटर हरियाणा से पकड़ाए

**राजस्थान बंद, विरोध प्रदर्शन जारी**

**जयपुर,06 दिसम्बर 2023(ए)।** राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी को गोली मारने वाले दो शूटर को राजस्थान पुलिस ने हरियाणा से गिरफ्तार किया है। इधर गोगामेड़ी की हत्या के बाद से तनाव है। राजपूत समाज के लोग मेट्टो मास अस्पताल के बाहर धरने पर बैठ गए। ये लोग हत्यारों को गिरफ्तार करने की मांग कर रहे हैं।

राजसमंद, उदयपुर व अजमेर सहित कई जिलों में राजपूत समाज के लोगों ने विरोध-प्रदर्शन किया है। कई जगह बाजार भी बंद करवाए गए हैं। देर शाम राजपूत समाज के लोगों ने चूरू में रोडवेज बस पर पथराव किया। कोटा व सीकर में विरोध-प्रदर्शन हुआ। इस बीच राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने पुलिस महानिदेशक उमेश मिश्रा से रिपोर्ट मांगी है।

ताजा जानकारी के मुताबिक, गोगामेड़ी की हत्या के आरोप में पुलिस ने दो लोगों को हरियाणा से पकड़ा है। सुरक्षा कारणों से अभी आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। पता चला है कि पुलिस ने नवीन शेखावत के फोन से मिली डिटेल के आधार पर इन आरोपियों को हथियार के साथ पकड़ा है।

## बिहार में जदयू नेता को मारी गोली,गंभीर स्थिति में अस्पताल में भर्ती,3 गिरफ्तार

**पटना,06 दिसम्बर 2023(ए)।** बिहार के पश्चिम चंपारण के योगपट्टी थाना क्षेत्र में अपराधियों ने सत्तारूढ़ जदयू के नेता के घर में घुसकर गोली मार दी। इस

घटना में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। इस मामले में पुलिस ने तीन लोगों को गिरफ्तार कर लिया है।पुलिस के मुताबिक, जदयू नेता मनोज कुशवाहा लक्ष्मीपुर गांव स्थित अपने आवास पर थे, तभी अपराधियों ने उन्हें गोली मार दी।

घायल जदयू नेता मनोज कुशवाहा को गंभीर स्थिति में अस्पताल भेज दिया गया।

मनोज कुशवाहा वाल्मीकिनगर से जदयू सांसद सुनील कुमार के स्थानीय प्रतिनिधि भी हैं।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर मामले की जांच की।

पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि इस घटना में शामिल तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है एवं एक देसी कट्टा, तीन जिंदा कारतूस, एक खोखा, दो मोटरसाइकिल तथा तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं।

## केरल हाई कोर्ट ने नाबालिग बलात्कार पीड़िता के 30 सप्ताह के गर्भ को गिराने की याचिका खारिज की

**कोच्चि,06 दिसम्बर 2023(ए)।** केरल उच्च न्यायालय ने 14 वर्षीय बलात्कार पीड़िता के गर्भावस्था के 30वें सप्ताह में गर्भपात की उसकी माँ की याचिका खारिज कर दी है।

जस्टिस देवन रामचंद्रन ने मेडिकल बोर्ड की राय देखने के बाद कहा कि अब गर्भपात संभव नहीं है और इस स्तर पर बच्चे को जीवित जन्म देना होगा।

अदालत ने कहा, अप्रिय रूप से, यह ऐसा मामला नहीं है जहां गर्भावस्था के कारण पीड़ित बच्चे के स्वास्थ्य को कोई खतरा है; न ही भ्रूण में कोई घातक असामान्यताएं पाई गई हैं। गर्भावस्था लगभग 9 वें महीने में है और भ्रूण का वजन और बसा बढ़ कर जनम के समय के अंतिम वजन के करीब आ रहा है। इसके महत्वपूर्ण अंग, जैसे मस्तिष्क और फेफड़े, लगभग पूरी तरह से विकसित हो चुके हैं और गर्भ के बाहर जीवन की तैयारी कर रहे हैं।अदालत ने स्पष्ट किया, इसमें कोई संदेह नहीं है कि बच्ची अभी भी बहुत छोटी है - केवल 13 से 14 साल की उम्र में, और उसके साथ जो

हुआ वह निश्चित रूप से वैधानिक बलात्कार है।

हालाँकि, न्यायाधीश ने यह स्पष्ट कर दिया कि ये टिप्पणियाँ केवल वर्तमान मामले के संदर्भ में की गई हैं और इसे आरोपी के पक्ष में नहीं समझा जाना चाहिए, जो यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण अधिनियम, 2012 (पोक्सो अधिनियम) के तहत कार्यवाही का सामना कर रहा है।

न्यायाधीश ने पीड़ित बच्ची के गर्भपात की अनुमति को अस्वीकार कर दिया क्योंकि गर्भावस्था अंतिम चरण में है।

अदालत ने कहा, यह न्यायालय पहले की तरह केवल एक ही कारण से कह रहा है, अर्थात् गर्भावस्था अब बहुत आगे बढ़ चुकी है। मेडिकल बोर्ड ने सर्वसम्मति से कहा कि गर्भाशय अच्छे भ्रूण के दिल के साथ 30 सप्ताह के गर्भ के अनुरूप है। भ्रूण, वास्तव में, हृदय गति के साथ जीवन जी रहा है; और इसलिए, इस चरण में गर्भावस्था को समाप्त करना असंभव है, और साथ ही अस्थिर भी है।

न्यायालय ने निष्कर्ष निकाला कि इस मामले में गर्भावस्था को समाप्त करने के लिए मेडिकल टर्मिनेशन ऑफ प्रेग्नेंसी एक्ट के प्रावधानों को लागू नहीं किया जा सकता। हालांकि, कोर्ट ने याचिकाकर्ता को आश्वासन दिया कि उनकी बेटी को कानूनी सुरक्षा मिलेगी। इन टिप्पणियों के साथ कोर्ट ने बाल संरक्षण अधिकारी को याचिकाकर्ता और उसके परिवार को नियमित सहायता प्रदान करने का निर्देश देते हुए याचिका बंद कर दी।

## भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता

**केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड के सीएजी ऑडिट का आदेश दिया**

**नई दिल्ली,06 दिसम्बर 2023(ए)।** मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने बुधवार को दिल्ली जल बोर्ड के भारत के नियंत्रक महालेखा परीक्षक (कैग) से ऑडिट कराने का आदेश देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार बर्दाश्त नहीं किया जा सकता।

मुख्यमंत्री कार्यालय के सूत्रों के मुताबिक, केजरीवाल ने जल बोर्ड के पिछले 15 साल के कैग ऑडिट का आदेश दिया है।

यह आदेश बोर्ड में अनियमितताओं को लेकर उठ रहे सवालों के मद्देनजर दिया गया है।

सूत्र ने यह भी बताया कि मुख्यमंत्री ने कहा है कि भ्रष्टाचार किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। सूत्र ने आगे कहा कि कैग ऑडिट का फैसला दिल्ली जल बोर्ड में वित्तीय अनियमितताओं को लेकर उठाई गई चिंताओं के मद्देनजर लिया गया था।

सूत्र ने कहा, केजरीवाल ने कहा कि सार्वजनिक धन का दुरुपयोग बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

दिल्ली के वित्त विभाग ने वित्तीय कुप्रबंधन के बारे में चिंता जताई है, लेकिन वित्तीय अनियमितताओं या दोषी अधिकारियों के विशिष्ट उदाहरणों की ओर इशारा नहीं किया है।

दिल्ली की जल मंत्री आतिशी ने कहा है कि इसी वजह से कैग ऑडिट जरूरी हो गया था।

सूत्र ने कहा कि कैग ऑडिट का आदेश जल बोर्ड अधिनियम की धारा 69 और सीएजी (कर्तव्य, शक्ति और सेवा की शर्तें) अधिनियम की धारा 19(3) के अनुरूप है।

## संपादकीय

# विपक्ष के लिए विचारणीय

बेशक, आज भाजपा के पास अकूत संसाधन हैं। लेकिन उसकी जीत का सिर्फ यही कारण नहीं है। बल्कि वह अपनी हिंदुत्व की राजनीति के पक्ष में इतनी ठोस गोलबंदी कर चुकी है कि चुनावों में उसे परास्त करना अति कठिन हो गया है। चार राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों का केंद्रीय संदेश यह है कि विपक्ष के पास भारतीय जनता पार्टी की राजनीति की कोई काट नहीं है। तेलंगाना का नतीजा अपवाद है- इसलिए कि वहां सत्ता एक गैर-भाजपा पार्टी के हाथ से निकल कर दूसरी गैर-भाजपा पार्टी के हाथ में गई है। इससे राष्ट्रीय राजनीति में भाजपा को कोई नुकसान नहीं होगा। असलियत तो यह है कि वहां भी भाजपा ने अपनी सीट और वोट प्रतिशत में इजाफा ही किया है। बहरहाल, आज भी भाजपा का मुख्य गढ़ हिंदी भाषी प्रदेश और देश का पश्चिमी हिस्सा हैं। जिन तीन हिंदी प्रदेशों में चुनाव हुआ, वहां भाजपा ने अपना दबदबा फिर दिखा दिया है। स्पष्ट है कि इन तीन राज्यों में मुख्य विपक्षी पार्टी यानी कांग्रेस भाजपा से होड़ में आगे निकलने का तोड़ नहीं ढूंढ सकी। इसकी वजह यह है कि जहां 2014 के बाद भारतीय राजनीति का संदर्भ बिंदु आमूल रूप से बदल चुका है, वहीं ये पार्टी (वैसे तमाम विपक्षी पार्टियों का यही हाल है) अपने अतीत और कुछ सियासी टोना-टोटकों से भाजपा को हरा देने की जुगत से ज्यादा नहीं सोच पाती।

बेशक, आज भाजपा के पास धन एवं प्रचार माध्यमों के रूप में अकूत संसाधन हैं। लेकिन उसकी जीत का सिर्फ यही कारण नहीं है। बल्कि वह अपनी हिंदुत्व की राजनीति के पक्ष में इतनी ठोस गोलबंदी कर चुकी है कि चुनावों में उसे परास्त करना अति कठिन हो गया है। राष्ट्रवाद को हिंदुत्व के नजरिए से परिभाषित कर उसने बड़ी संख्या में लोगों की मन-मस्तिष्क में पैठ बना ली है। दूसरी तरफ विपक्ष में कोई भाजपा की वैचारिक शक्ति का विकल्प तैयार करने का प्रयास करता हुआ भी नहीं दिखता है। संभवतः विपक्षी दलों को लगता है कि वे मतदाताओं को प्रत्यक्ष लाभ बांटने की होड़ में आगे दिखा कर चुनाव जीत लेंगे। जबकि भाजपा इस बिंदु पर भी उन्हें ज्यादा जगह नहीं देती। इस पृष्ठभूमि में विपक्षी दलों के लिए असल विचारणीय प्रश्न यह है कि क्या बिना राजनीति की नई परिकल्पना किए और बिना राजनीति करने के नए तरीके ढूंढे वे कभी भी भाजपा को चुनौती दे पाएंगे?

# कांग्रेस बैठाती है मैनेजरों को सिर पर!

उत्तर भारत में क्यों कर कांग्रेस डूबी-1: किंवदंती की तरह दिल्ली के राजनीतिक जानकारों में चर्चा रही है कि 2014 में लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी चुनाव जीत गए तो उनके सलाहकार मैनेजर प्रशांत किशोर ने अपना भविष्य जानने के लिए अमित शाह से बात की। उन्होंने उनसे पूछा मई के बाद क्या होगा? इस पर अमित शाह का टका सा जवाब था- जून होगा! यह बात भाजपा की ओर से प्रचारित हुई होगी। पर इससे जाहिर हुआ कि चुनाव में सर्वेक्षण करने वाले, चुनाव प्रबंधन का काम करने वाले, नारे गढ़ने और आकर्षक पोस्टर-बैनर-हार्डिंग बनवाने वाले या जनता के दिमाग में क्लिक होने वाले आइडिया देने वाले मैनेजरों और उनकी कंपनियों की राजनीतिक व्यवस्था में क्या जगह है। उन्हें किस हैसियत में रखा जाना चाहिए। निश्चित ही प्रशांत किशोर चुनाव प्रबंधन विधा में भारत के न्यूमेरो उनो हैं। गुरू हैं। लेकिन मोदी-शाह और भाजपा के सेटअप में, उसकी राजनीतिक व्यवस्था में चुनाव का काम खत्म होने के बाद प्रशांत किशोर को दूध में मक्खी की तरह बाहर फेंकने की वास्तविकता बहुत कुछ बताती है। भाजपा ने प्रशांत किशोर को न सिर पर बैठाया और न उनको हटाने के बाद मोदी-शाह का चुनावों में जीतना घटा।

इसके उलट कांग्रेस प्रशांत किशोर की लीक पर बने चुनावी मैनेजरों को ठेके देती है, उन्हें सिर पर बैठाती है और उन पर निर्भर हो कर एक के बाद एक चुनाव हार रही है। हाल में प्रशांत किशोर के सहयोगी रहे सुनील कनुगोलू ने कर्नाटक में कांग्रेस के लिए चुनाव प्रबंधन किया। और कर्नाटक में पार्टी जीती तो सुनील कनुगोलू न केवल कर्नाटक के मुख्यमंत्री के सलाहकार हो गए है, बल्कि वे कैबिनेट मंत्री का दर्जा ले कर कांग्रेस मुख्यालय में भी सुपर बॉस जैसी हैसियत में हैं। वे कर्नाटक में मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री से नीचे किसी से बात नहीं करते हैं। पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में उन्होंने मध्य प्रदेश और तेलंगाना में कांग्रेस के लिए सर्वेक्षण और चुनाव प्रबंधन का काम किया। मध्य प्रदेश में उन्होंने संभावित उम्मीदवारों की जीत-हार के बारे में आकलन किया। उनकी रिपोर्ट से कमलनाथ-दिग्विजय सिंह अपनी तैयारियों, अपनी उम्मीदवार सूची को लेकर भ्रमित हुए। कमलनाथ जब सर्वे करने वाली अपनी टीमों की फीडबैक पर अड़े तो कलह हुई। तभी नैरेटिव बना कि कमलनाथ अहंकारी हैं और वे किसी की नहीं सुन रहे। दिग्विजय सिंह भी उनके आगे लाचार हैं ।जाहिर है मध्य प्रदेश में एक तरफ कमलनाथ ने सर्वे करने और चुनाव प्रबंधन करने वाली एजेंसियों को सिर पर बैठा रखा था तो दूसरी ओर कांग्रेस आलाकमान ने कमलनाथ के सिर पर सुनील कनुगोलू को बैठाना चाहा। कमलनाथ अहंकार से भरे हुए तो चुनाव मैनेजर भी अहंकार में। ऐसा ही राजस्थान में था। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दशकों के अपने चुनावी अनुभवों, राजनीतिक विवेक को ताक में रख कर एक ऐसे मैनेजर से चुनाव प्रबंधन कराया, जिसको लेकर एआईसीसी, राहुल गांधी, सुनील कनुगोलू सब पहले से बिदके हुए थे। मगर गहलोत ने अपने पीए शशिकांत और एआईसीसी में पवन खेडा, प्रभारी सुखजिंदर रंधावा आदि की लॉबिंग से नरेश अरोड़ा की डिजाइन बॉक्स्ड को अपनी राजनीति सुपुर्द की। जबरदस्ती प्रदेश कांग्रेस कमेटी से उसका चुनाव ठेका करवाया। गहलोत के लिए काम शुरू करने से पहले अरोड़ा को लेकर हवा बनाई गई कि वहीं कर्नाटक में कांग्रेस की जीत का सूत्रधार हैं। एक तरफ कर्नाटक की जीत का श्रेय सुनील कनुगोलू ले रहे थे तो दूसरी ओर गहलोत के कान में नरेश अरोड़ा की महानता का बखान। ताकि उनका भाव बड़ा बने। मुख्यधारा के मीडिया में खबरें छपने लगीं कि राजस्थान के जादूगर अशोक गहलोत नहीं, बल्कि नरेश अरोड़ा हैं और वे राजस्थान का रिवाज बदलेंगे! 'इंडियन एक्सप्रेस' जैसे अखबारों ने भी विज्ञापन के बदले नरेश अरोड़ा पर खबरें छापीं कि वे मास्टर रणनीतिज्ञ हैं और उनसे कांग्रेस का माहौल बदला है।

**-अजीत द्विवेदी-**

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# शकुनि के पांसों से खेलने की डेढ़ होशियारी ले डूबी कांग्रेस को

छत्तीसगढ़ के लिए सारे एग्जिट पोल फेल हुए। जो प्रेक्षक यह सोच रहे थे कि कांग्रेस हांफते-लंगड़ाते मैदान जीत जाएगी, उन्हें भारी निराशा हुई है। लेकिन इसमें अप्रत्याशित कुछ भी नहीं था, आंकड़े इसके गवाह हैं। वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में भाजपा को 32.3 प्रतिशत वोट मिले थे और वर्ष 2013 की तुलना में उसके वोटों में लगभग 9 प्रतिशत की गिरावट आई थी। इस वोट को जोगी कांग्रेस और बसपा के गठजोड़ ने खींचा था। लेकिन छह माह बाद ही लोकसभा चुनाव में ये वोट उसके पास लौट आये थे और उसे 50.7 प्रतिशत वोट मिले थे। स्पष्ट है कि कांग्रेस के वोट भी उसकी झोली में गिरे थे। वर्ष 2018 के विधान सभा चुनाव में 43.9 प्रतिशत वोट पाने वाली कांग्रेस के हिस्से में वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में केवल 27.3 प्रतिशत वोट ही रह गए थे। वर्ष 2013 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को 40.3 प्रतिशत वोट मिले थे और इस विधानसभा चुनाव में भी उसे 42.1 प्रतिशत वोट मिले है। पांच सालों में उसके मत-आधार (वोट बेस) में गिरावट ही आई है, इसके बावजूद कि न्याय योजनाओं के जरिये ग्रामीण जनता को कुछ राहत देने के कदम उसने उठाये थे। इन आंकड़ों से जो राजनैतिक संदेश कांग्रेस नेतृत्व को ग्रहण करना चाहिए था, उसमें वह अक्षम साबित हुई और भाजपा का राजनैतिक-वैचारिक रूप से मुकाबला करने के बजाय शकुनि के पांसों से ही खेलने की डेढ़ होशियारी उसे ले डूबी। इसमें मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की अहंकारपूर्ण कार्यप्रणाली को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता, जिन्होंने भाजपा से मुकाबले के लिए नरम हिंदुत्व की लाइन चुनी।

छत्तीसगढ़ में फिर से सत्ता में आने का कांग्रेस का सपना चकनाचूर हुआ है, तो कांग्रेस की हार के कारण स्पष्ट है। सत्ता का घमंड जब सिर चढ़कर बोलता है, तो वह अपनों के साथ जनता को भी दूर करता है। सत्ता की चाशनी होने के बावजूद कांग्रेस इतनी कमजोर हुई है कि राहुल-प्रियंका-खड़गे की तिकड़ी का प्लास्टर किसी काम न आया। पांच साल पहले भाजपा को ठुकराकर जनता ने कांग्रेस को मौका दिया था कि वह भाजपा की सांप्रदायिक-कॉर्पोरेटपरस्त नीतियों का विकल्प पेश करें, लेकिन सत्ता में आने के बाद कांग्रेस ने नरम हिंदुत्व की राह पर चलने और आदिवासियों का जल-जंगल-जमीन पर स्वामित्व छीनने की ही राह अपनाई। नतीजे में, कांग्रेस के 9 मंत्रियों सहित आधे विधायकों को हार का सामना करना पड़ा है। इसमें कांग्रेस का हिंदुत्व का सबसे बड़ा बहुरूपिया चेहरा विकास उपाध्याय (रायपुर पश्चिम) भी शामिल है, जिनकी पिछले चुनाव में 12212 वोटों की जीत 41229 वोटो से हार में बदल गई। उनका हिंदुत्व इतना प्रखर था कि वे हिन्दू राष्ट्र का प्रवचन करने वाले और महात्मा गांधी को गाली देने वाले आबाओं-बाबाओं के आयोजन के मुख्य कर्ता-धर्ता थे। कांग्रेस के धर्मनिरपेक्ष चेहरे मो. अकबर को भी कवर्धा से 39592 वोटों से हार का सामना करना पड़ा। भाजपा ने कवर्धा को सुनियोजित तरीके से सांप दायिकता की प्रयोगशाला बना दिया है। चुनाव परिणामों के बाद पठानों को भगानेकी नारेबाजी करने वाले वीडियो वायरल हुए हैं, जो भाजपाई राज में आने वाले अशुभ दिनों के संकेत दे रहे हैं। इसमें मुख्यमंत्री के पद की दौड़ में शामिल अल्पकालिक उप मुख्यमंत्री टी एस सिंहदेव की अंबिकापुर में हुई हार भी शामिल है। भूपेश बघेल, जिन्हें राजनैतिक हलकों में व्यंग्य से छोटे मोदी कहा जाता है, की कार्यप्रणाली का नतीजा पूरी कांग्रेस को भुगतना पड़ा है। अपने को सर्वशक्तिमान के रूप में स्थापित करने के लिए उन्होंने अपने मीडिया सलाहकारों के सहारे गोदी मीडिया की तरह भोंपू मीडिया का जो मायाजाल रचा था, वह किसी काम न आया। यह देखना अब दिलचस्प होगा कि अपने मंत्री साथियों की हार के बीच बुलककर निकले भूपेश अब क्या भूमिका निभाते हैं?

मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ के चुनावी नतीजों के संदर्भ में बादल सरोज की राजनैतिक टिप्पणी गौरतलब है -- शकुनि के पांसों से खेलने की चतुराई शकुनि की जीत को ही पक्का करती है!! इतिहास के इस सबक से कांग्रेस हाईकमान और भूपेश बघेल ने कुछ नहीं सीखा। यह व्यंग्य प्रचलित है कि आम जनता तो कांग्रेस को जीताना चाहती है, लेकिन कांग्रेस ही यदि भाजपा को जीताने में लग जाएं, तो कोई क्या करें?

पिछले पांच सालों में रिक्त सरकारी पदों की संख्या बढ़ती ही गई है और नियमितीकरण के वादे पर अमल नहीं किया गया। जल-जंगल-जमीन की लूट के लिए बस्तर का सैन्यीकरण और ज्यादा हुआ है और इसके साथ ही बढ़ा है बस्तर के आदिवासियों पर अत्याचार। ताड़मेटला कांड सहित जो भी रिपोर्टें उजागर हुई, उन पर भी कोई कार्यवाही नहीं की गई। सिलगेर में पांच आदिवासी सुरक्षा बलों की गोली से मारे गए, जिम्मेदारों पर कोई कार्यवाही नहीं। जिन्होंने भी सत्ता पक्ष की कारगुजारियों के खिलाफ मुंह खोला, उन पत्रकारों पर हमले किए गए। पेसा कानून की मूल भावना के खिलाफ ही नियम बनाकर उसको अप्रभावी कर दिया गया, जिसके खिलाफ कद्दावर मंत्री टीएस सिंहदेव को पंचायत विभाग छोड़ना पड़ा। हसदेव अरण्य के कोयला खदानों को अदानी को सौंपने के लिए की गई चतुराई भी सबने देखी। प्रशासन भी उन्हीं लोगों के सहारे चलाया गया, जो पहले भाजपा की बैसाखी थे। भ्रष्टाचार के मामले में जनता का अनुभव भाजपा से बुरा था। भाजपा ने सीबीआई और ईडी जैसी केन्द्रीय एजेंसियों का खुलकर दुरुपयोग किया, लेकिन जो फंसे, उनके लिए आम जनता की कोई सहानुभूति नहीं थी, क्योंकि वे वाकई भ्रष्ट हैं। इन कारगुजारियों ने न केवल न्याय योजनाओं का असर कम किया, बल्कि कांग्रेस के चुनावी वादों की विश्वसनीयता पर भी ग्रहण लगाया। आदिवासी अधिकारों पर चुप्पी के साथ ही कांग्रेस ने भाजपा राज की हिंदुत्व-आधारित तमाम परियोजनाओं को ही आगे बढ़ाया। इनमें राम वन गमन पथ था, तो कौशल्या मंदिर का निर्माण भी ; रामायण का आयोजन था, तो हनुमान चालीसा का पाठ भी। तमाम संस्थाओं में भी उन्हीं लोगों को बैठाया गया, जिनकी संघ-भाजपा के प्रति भक्ति जगजाहिर थी। इसके चलते, सोशल लेफ्ट की वे ताकतें भी कांग्रेस से अलग छिटकी, जो पिछली बार चुनाव जीतने के लिए उसकी मददगार साबित हुई थी।



कहा जाता है कि छत्तीसगढ़ में सत्ता का रास्ता बस्तर के आदिवासी गांवों से होकर निकलता है। कांग्रेस राज में बस्तर भयंकर असंतोष से खदबदा रहा था। जल-जंगल-जमीन पर आदिवासी समुदायों के स्वामित्व और पेसा कानून के तहत ग्राम सभा की सर्वोच्चता के सवाल पर बस्तर में पिछले दो सालों से धरना और प्रदर्शन चल रहे हैं और इनमें औसतन 40-50 हजार लोग रोज हिस्सा ले रहे थे। लेकिन आदिवासियों के संवैधानिक अधिकारों के सवाल पर कांग्रेस सरकार ने कोई फैसलाकुन कदम नहीं उठाये। प्रथम चरण की बस्तर की वोटिंग से ही साफ़ था कि कांग्रेस की राह अब आसान नहीं है। लेकिन बस्तर से ज्यादा करारी मात कांग्रेस को आदिवासीबहुल सरगुजा में खानी पड़ी, जहां उसने सभी 14 सीटें गंवा दी। इस प्रकार, बस्तर और सरगुजा दोनों आदिवासी संभागों में कांग्रेस की करारी हार हुई है। यहां की 26 सीटों में से केवल 4 पर ही कांग्रेस जीत पाई है। भाजपा यदि जीती है, तो कांग्रेस के खिलाफ असंतोष की नाव पर सवार होकर। कांग्रेस भी यदि जीती थी, तो भाजपा के खिलाफ असंतोष की नाव पर सवार होकर। कांग्रेस की धर्मनिरपेक्षता के प्रति कमजोरी और नेहरूवादी नीतियों का त्याग भाजपा को बल पहुंचाता है। सांप्रदायिकता और नफरत की राजनीति आम जनता के विवेक को कमजोर करती है और उसे भाजपा के पक्ष में खड़ा करती है। इसलिए छत्तीसगढ़ में कांग्रेस या भाजपा की हार-जीत सकारात्मक वोटों से नहीं, नकारात्मक वोटों से ही होती है। इसके साथ ही इंडिया समूह की सबसे बड़ी पार्टी होने के नाते, और लोकसभा के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए भी, अपने सहयोगियों के प्रति कांग्रेस को जो बड़ा दिल दिखाना था, वह उसने नहीं दिखाया। उसका अहंकार उसे ले डूबा। इस विधानसभा चुनाव में भाजपा को 46.2 प्रतिशत और कांग्रेस को 42.7 प्रतिशत वोट मिले हैं। 3.5 प्रतिशत वोटों के अंतर ने सीटों का फासला बढ़ा दिया है। आप, बसपा, गोंगपा और वामपंथी पार्टियों को लगभग 3 प्रतिशत वोट मिले हैं। अपना जनाधार बढ़ाने के लिए यदि वह राजनैतिक कुशलता का प्रदर्शन करती और इंडिया समूह की पार्टियों से गठजोड़ करने के साथ ही सोशल लेफ्ट के साथ समझदारी बनाती, तो कांग्रेस के लिए नतीजे इतने निराशाजनक नहीं होते। तीन हिन्दी भाषी राज्यों में कांग्रेस के प्रदर्शन से यही साबित होता है कि अब कांग्रेस राष्ट्रीय स्तर संघ-भाजपा की सांप्रदायिक-फासीवादी चुनौती से निपटने में अकेले सक्षम नहीं है। दूसरी ओर, भाजपा ने कांग्रेस के जनाधार को चोट पहुंचाने में कोई कसर नहीं रखी। इस बार भाजपा ने जोगी कांग्रेस का उपयोग कांग्रेस के खिलाफ किया और अमित जोगी को भी भूपेश बघेल के खिलाफ मैदान में उतार दिया। उसने कांग्रेस -विद्रोही प्रत्याशियों की भी खुलकर मदद की। आज भाजपा कॉर्पोरेटों के साथ गठजोड़ करने और चुनावी बांड की अपारदर्शिता के कारण विश्व की सबसे धनी पार्टी है। इस धनबल का दुरुपयोग वह विपक्ष के जनाधार को कमजोर करने के लिए करती है। जोगी कांग्रेस और अरविंद नेताम की हमर राज पार्टी दोनों को उसने मदद दी है। इससे कांग्रेस का प्रदर्शन प्रभावित हुआ है। एक विपक्ष के रूप में भी भाजपा ने प्रदेश में हर छोटे-बड़े मामले को सांप्रदायिक रंग दिया है। उसने आदिवासी क्षेत्रों में सांप्रदायिक तनाव पैदा किया है। स्थिति इतनी खराब हुई है कि ईसाई धर्म के अनुयायी आदिवासियों द्वारा उनकी निजी भूमि पर दफनाये गए परिजनों के शवों को भी प्रशासन ने ही निकालकर कई किलोमीटर दूर ईसाई कब्रगाहों में स्थानांतरित करने का गैर-कानूनी काम किया है। प्रशासन के ऐसे सांप्रदायिक रूख का फायदा भाजपा को मिला है और आदिवासियों के मानवाधिकारों और उनके जान-माल की रक्षा न कर पाने का खामियाजा कांग्रेस को भुगतना पड़ा है।

जहां तक भाजपा की शब्दावली में मुफ्त की रेवड़ियों की बात है, दोनों पार्टियां अब समझ चुकी है कि चुनावों में सामाजिक कल्याण की बात और घोषणाओं को किए बिना नैया पार नहीं हो सकती। कांग्रेस द्वारा की गई घोषणाओं की लागत 71000 करोड़ रूपये थी, तो भाजपाई घोषणाओं की लागत 65000 करोड़ रूपये थी। योजनायें भी एक समान थी। आम जनता का सामान्य अनुभव यही है कि जो भी पार्टी सत्ता में आये, वह अपने वादों-घोषणाओं के प्रति ईमानदार नहीं होती। केंद्र में सत्तासीन भाजपा ने दो करोड़ लोगों को हर साल रोजगार देने और किसानों को लाभकारी समर्थन मूल्य देने के वादे पर जो पलटी मारी है, उसे और राज्य में काबिज कांग्रेस ने कर्मचारियों से किए वादों पर जो पलटी मारी है, उसे भी यहां की जनता ने देखा है7 जिन योजनाओं को उन्होंने लागू किया है, उसमें भ्रष्टाचार और पक्षपात भी देखा है। लेकिन छोटे मोदी पर बड़े मोदी भारी पड़े, तो इसके कारण कांग्रेस संगठन के कमजोर चुनाव प्रचार, 2018 में किए गए वादों को सही तरीके से क्रियान्वित करने में असफलता और इसके कारण मध्यम वर्ग और कर्मचारियों की कांग्रेस के प्रति भारी नाराजगी, आवास और रोजगार के मुद्दों पर भाजपा के अतिरिक्त बल देने, उसकी सांप्रदायिक ध्रुवीकरण और सोशल इंजीनियरिंग की नीतियों आदि-इत्यादि में ढूंढें जा सकते हैं।

सत्ता में आने के बाद भाजपा अपनी हिंदुत्व की राजनीति को नई धार देगी। शपथ ग्रहण से पहले ही उसने धर्मान्तरण का मुद्दा उछाल दिया है। जातिगत जनगणना के लिए वह तैयार नहीं है। भाजपा का आना आदिवासियों और दलितों के लिए विपदा का राज साबित होगा। इसके साथ ही, धर्मनिरपेक्षता और सामाजिक न्याय की पक्षधर ताकतों के साथ उसका संघर्ष बढ़ेगा। यह संघर्ष उन वादों के क्रियान्वयन के लिए भी होगा, जो भाजपा ने चुनाव जीतने के लिए किए हैं और जिसे आज तक वह मुफ्त की रेवड़ी कहती आई है। अब इन चुनाव परिणामों से यह तय है कि छत्तीसगढ़ भाजपा और भाजपा विरोधी ताकतों के बीच, संघ और संघ विरोधी ताकतों के बीच एक नई रणभूमि के रूप में उभरने जा रहा है। इस रण को संघ-भाजपा के खिलाफ राजनैतिक-वैचारिक धार देकर ही जीता जा सकता है।

**-संजय पराते-**

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## किसान की वेदना

कइसे रिसा गेस प्रभु ,
बिन मौसम पानी ल गिरा देस प्रभु।
अइसन होही जानत रतेव,
ते सबों धान ल सकेल डार रतेव ।
यहा का दिन देखा देस प्रभु ,
तिही देस तिहि छीन लेस प्रभु।
बिन मौसम पानी ल गिरा देस प्रभु।
बने बने मौसम ल देख के
धान ल लुए रेहेव,
भारा ल बांधहु कहात
रेहेव पानी ल गिरा देस प्रभु।
आइसे का करे रेहेव,
तेमें अतेक रिसा गेस प्रभु।
बिन मौसम पानी ल गिरा देस प्रभु।
सूर्य देवता घलो बने ऊ गे रिहीस,
त करपा घलो बने सुखा गे रिहिस।
सबों धान ल भिंगा देस प्रभु,
बिन मौसम पानी ल गिरा देस प्रभु।
ओतेक-ओतेक दवई छितेव ,
ओतेक-ओतेक कर्जा करेव।
अब कैसे करो तहि बता दे प्रभु ,
मोर बिगड़ी ल तहि बना दे प्रभु।
कइसे रिसा गेस प्रभु ,
बिन मौसम पानी ल गिरा देस प्रभु।
फसल ल देख के
अब्बड़ सपना देखे रहेव ,
फेर सबों सपना ल
अधूरा करा देस प्रभु ।
कइसे रिसा गेस प्रभु ,
बिन मौसम पानी ल गिरा देस प्रभु।



**प्रतिमा साहू आमाचानी**
,मगरलोड
धमतरी
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## लक्ष्य अभी बाकी है

अपने इरादे को पक्का कर,
जीतना अभी बाकी है।
हर मैदान को फते कर,
उठ जाग मुसाफिर
लक्ष्य अभी बाकी है।
लक्ष्य लेकर आगे बढ़,
भेदना अभी बाकी है।
मुश्किल हलातो से लड़,
उठ जाग मुसाफिर
लक्ष्य अभी बाकी है।
हौसलों को बुलंद कर,
उड़ान अभी बाकी है।
खुद को मज़बूत कर,
उठ जाग मुसाफिर
लक्ष्य अभी बाकी है।
भाग्य के भरोसे कभी मत बैठ,
भाग्य बनाना अभी बाकी है।
अपने मेहनत पर भरोसा कर,
उठ जाग मुसाफिर
लक्ष्य अभी बाकी है।
कड़ी मेहनत कर,
दिखा कुछ बनकर।
इतिहास के पन्नों में नाम
लिखना अभी बाकी है।
उठ जाग मुसाफिर
लक्ष्य अभी बाकी है।



**श्याम सुन्दर साहू**
प्राचार्य राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## बदरहा जाड़

बादर बदली ढ़के हवे
सुर-सुर-सुर पुरवाई चलत हे
ठंड के मारे घुरघुरासी लागे
जाड़ नंगत करत हे
मउंसम घलो बेईमान होगे
जाड़ दिन म पानी टपकत हे
आषाढ़ के अकरसु कस
ओईरसा चुहउंल दरपत हे
लकड़ी छेना भुर्री तापे
अंगेठा आगी भभकत हे
ए बईरी जुड़ जाड़ तोला
अतिक काबर हटकत हे
नांन्हे नांन्हे लईका मन
बबा के कोरा म लपकत हे
सुवेटर कनचप्पी साल पहिरे
हु हुं हुं करत कपकपत हे!!



**सोनु नेताम माया**
रुद्री नवागांव
धमतरी

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

**समाचार पत्र में छपे समाचार एवं लेखों पर सम्पादक की सहमति आवश्यक नहीं है। हमारा ध्येय तथ्यों के आधार पर सटिक खबरें प्रकाशित करना है न कि किसी की भावनाओं को ठेस पहुंचाना। सभी विवादों का निपटारा अम्बिकापुर न्यायालय के अधीन होगा।**

# एग्जिट पोल,बड़ा झोल

तेलंगाना विधानसभा चुनाव की मतदान प्रक्रिया के समापन के साथ ही पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनाव को लेकर



**योगेश कुमार गोयल**
नजफगढ़,
नई दिल्ली

तमाम सर्वे एजेंसियों ने अपने-अपने एग्जिट पोल्स का प्रसारण कर दिया था। मिजोरम में 7 नवम्बर, छत्तीसगढ़ में 7 और 17 नवम्बर, मध्य प्रदेश में 17 नवम्बर, राजस्थान में 25 नवम्बर और तेलंगाना में 30 नवम्बर को मतदान हुआ था। अधिकांश एग्जिट पोल में राजस्थान और मध्य प्रदेश में सत्ता के लिए कांटे की टक्कर होने का अनुमान लगाया था लेकिन कुछ एग्जिट पोल ऐसे भी थे, जिनमें किसी में कांग्रेस की एकतरफा जीत का अनुमान व्यक्त किया गया था तो किसी में भाजपा की। राजस्थान में आज तक-एक्सिस माय इंडिया के एग्जिट पोल में कांग्रेस के 86-106 जबकि भाजपा के 80-100 सीटें जीतने का अनुमान लगाया था, वहीं जन की बात के एग्जिट पोल के अनुसार कांग्रेस को केवल 62-85 सीटें और भाजपा को 100-122 सीटें मिलने का अनुमान था। इंडिया टीवी-सीएनएक्स के एग्जिट पोल में कांग्रेस को 94-104 सीटें मिलने का अनुमान था जबकि भाजपा के 80-90 सीटों पर ही सिमटने की भविष्यवाणी भी थी जबकि दैनिक भास्कर के एग्जिट पोल के मुताबिक भाजपा को 95-115 और कांग्रेस को 105-120 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की गई थी। जन की बात के एग्जिट पोल में भाजपा को 100-123 और कांग्रेस को 102-125 सीटें मिलने का अनुमान था। टीवी-9 पोलस्ट्रैट के एग्जिट पोल में कहा गया था कि भाजपा को 106 और कांग्रेस को 111-121 सीटें मिल सकती हैं। छत्तीसगढ़ में तो लगभग सभी एग्जिट पोल कांग्रेस को पूर्ण बहुमत मिलने की बात कही गई थी। राजस्थान में न्यूज 24-टुडेज चाणक्य ने भाजपा को 77-101, कांग्रेस को 89-113 और अन्य को 2-16 सीटें मिलने का अनुमान व्यक्त किया था। इसी प्रकार भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को इंडिया टुडे-एक्सिस माई इंडिया ने क्रमशः 80-100, 86-106 तथा 9-18, टीवी9-पोलस्टार ने 100-110, 90-100 तथा 5-15, दैनिक भास्कर ने 95-115, 105-120 तथा 0-15 सीटें मिलने की संभावना व्यक्त की थी। वहीं एबीपी-सी वोटर ने भाजपा, कांग्रेस तथा अन्य को क्रमशः 94-114, 71-91 सीटें मिलने का अनुमान जताया था। चुनावी नतीजे देखें तो राजस्थान में भाजपा को 115, कांग्रेस को 69 तथा अन्य को 15 सीटें मिली हैं जबकि मध्य प्रदेश में भाजपा को 164, कांग्रेस को 65 और अन्य को 1 सीट मिली हैं, वहीं छत्तीसगढ़ में भी भाजपा तमाम एग्जिट पोल के अनुमानों से परे 54 सीटें हासिल कर पूर्ण बहुमत हासिल करने में सफल रही है। विभिन्न एग्जिट के मुताबिक मिजोरम में एमएनएफ को 14 से 18, कांग्रेस को 8 से 10, जेपीएम को 12 से 16 सीटें मिलने के अनुमान था और त्रिशंकु विधानसभा होने की भविष्यवाणी की गई थी। हालांकि चुनावी नतीजों में जेपीएम को पूर्ण बहुमत के साथ 27 सीटें मिली जबकि एमएनएफ को 10, भाजपा को 2 और कांग्रेस को महज 1 सीट ही मिली यानी मिजोरम में भी तमाम एग्जिट पोल औंधे मुंह गिरे।




देखने वाली बात यह है कि कई एग्जिट पोल के आंकड़ों में बड़ा अंतर था और साथ ही इनमें हमेशा प्लस-माइनस का भी बड़ा खेल शामिल रहता है। यही कारण है कि एग्जिट पोल में किए जाने वाले दावों पर अब आंख मूंदकर भरोसा नहीं किया जाता क्योंकि ये केवल चुनाव परिणामों का पूर्वानुमान ही होते हैं और अभी तक कई बार ऐसा हो चुका है, जब विभिन्न एग्जिट पोल में किए गए पूर्वानुमान से चुनाव परिणाम बिल्कुल उलट रहे। वैसे चुनावी सर्वे कराए जाने का इतिहास बहुत पुराना है और दुनिया के कई देशों में ऐसे सर्वे कराए जाते हैं। चुनावी प्रक्रिया के दौरान जब तक अंतिम वोट नहीं पड़ जाता, तब तक किसी भी रूप में एग्जिट पोल का प्रकाशन या प्रसारण नहीं किया जा सकता। यही कारण है कि एग्जिट पोल मतदान प्रक्रिया पूरी होने के बाद ही दिखाए जाते हैं। मतदान खत्म होने के कम से कम आधे घंटे बाद तक एग्जिट पोल का प्रसारण नहीं किया जा सकता। इनका प्रसारण तभी हो सकता है, जब चुनावों की अंतिम दौर की वोटिंग खत्म हो चुकी हो। यह नियम तोड़ने पर दो वर्ष की सजा या जुर्माना अथवा दोनों हो सकते हैं। यदि कोई चुनाव कई चरणों में भी सम्पन्न होता है तो एग्जिट पोल का प्रसारण अंतिम चरण के मतदान के बाद ही किया जा सकता है लेकिन उससे पहले प्रत्येक चरण के मतदान के दिन डेटा एकत्रित किया जाता है।

एग्जिट पोल से पहले चुनावी सर्वे किए जाते हैं और सर्वे में बहुत से मतदान क्षेत्रों में मतदान करके निकले मतदाताओं से बातचीत कर विभिन्न राजनीतिक दलों तथा प्रत्याशियों की हार-जीत का आकलन किया जाता है। अधिकांश मीडिया संस्थान कुछ प्रोफैशनल एजेंसियों के साथ मिलकर एग्जिट पोल करते हैं। ये एजेंसियां मतदान के तुरंत बाद मतदाताओं से यह जानने का प्रयास करती हैं कि उन्होंने अपने मत का प्रयोग किसके लिए किया। उन्हीं आंकड़ों के गुणा-भाग के आधार पर हार-जीत का अनुमान लगाया जाता है। इस आधार पर किए गए सर्वेक्षण से जो व्यापक नतीजे निकाले जाते हैं, उसे ही 'एग्जिट पोल' कहा जाता है। चूंकि इस प्रकार के सर्वे मतदाताओं की एक निश्चित संख्या तक ही सीमित रहते हैं, इसलिए एग्जिट पोल के अनुमान हमेशा सही साबित नहीं होते। एग्जिट पोल वास्तव में कुछ और नहीं बल्कि वोटर का केवल रूझान होता है, जिसके जरिये अनुमान लगाया जाता है कि नतीजों का झुकाव किस ओर हो सकता है। एग्जिट पोल के दावों का ज्यादा वैज्ञानिक आधार इसलिए भी नहीं माना जाता क्योंकि ये कुछ हजार लोगों से बातचीत करके उसी के आधार पर तैयार किए जाते हैं। वास्तव में ये सिर्फ अनुमानित आंकड़े होते हैं और कोई जरूरी नहीं कि मतदाता ने सर्वेकर्ताओं को अपने मन की सही बात ही बताई हो। यही कारण है कि एग्जिट पोल की विश्वसनीयता को लेकर अक्सर सवाल उठते रहे हैं।

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

# नशीली दवाओं के हॉटस्पॉट

राष्ट्रीय आपराधिक रिकॉर्ड कार्यालय (एनसीआरबी) की वार्षिक रिपोर्टें ऐसी सुर्खियाँ उत्पन्न करती हैं जो ध्यान आकर्षित करती हैं, लेकिन सामान्य परिदृश्य को देखना महत्वपूर्ण है, खासकर दवाओं के संबंध में। तात्कालिक उद्देश्य ड्रग कार्टेलों की पहुंच और प्रभाव का विस्तार करके उनका मुकाबला करने के लिए अखिल भारतीय रणनीतियों को मजबूत करना है। इस बातचीत को कम करना कि कौन सा राज्य दूसरों की तुलना में अधिक दवाओं का उपभोग करता है, डेटा को तुच्छ बनाने के बराबर है। 26,619 एफआईआर के साथ, केरल 2022 में खतरनाक और साइकोट्रोपिक पदार्थ कानून (एनडीपीएस) की सभी श्रेणियों में मामलों के पंजीकरण में शीर्ष पर रहा। 13,830 एफआईआर के साथ महाराष्ट्र दूसरे स्थान पर रहा, इसके बाद पंजाब (12,442) रहा। तथ्य यह है कि केरल नशीली दवाओं के नए केंद्र में बदल गया है, यही कारण नहीं है कि अन्य राज्य थोड़ी बदनामी खोकर राहत महसूस कर रहे हैं।एनसीआरबी का डेटा बेहद चिंताजनक है. यह देश भर में नशीली दवाओं के उत्पादन, तस्करी और खपत में वृद्धि का संकेत देता है। पिछले साल भारत में नशीली दवाओं के अत्यधिक सेवन के कारण 681 लोगों की जान चली गई, जिनमें 116 महिलाएं भी थीं। पंजाब में इस प्रकार की सबसे अधिक 144 मौतें दर्ज की गई, इसके बाद राजस्थान में 117 और मध्य प्रदेश में 74 मौतें हुईं। पंजाब में तस्करी के लिए ड्रग्स रखने से संबंधित 7,433 मामले दर्ज किए गए, जो देश में सबसे बड़ी संख्या है। इसके अलावा व्यक्तिगत उपयोग के लिए ड्रग्स रखने के लिए 2021 में 4,206 के मुकाबले 5,009 एफ आई आर दर्ज की गई। एनसीआरबी डेटा इस बात का पर्याप्त सबूत है कि ड्रग्स के खिलाफ लड़ाई राष्ट्रीय स्तर पर एक चुनौती है और पंजाब सभी मामले दर्ज नहीं करता है। ब्याज दरों और केंद्रीय सहायता का अनुरोध करें। जबकि एनडीपीएस मामलों के पंजीकरण में वृद्धि कुछ राज्य सरकारों के सक्रिय दृष्टिकोण को दर्शाती है, कम सजा दर एक बड़ी निराशा है। माल की पत्तियां खराब या कमजोर हो गई हैं और नशीली दवाओं के तस्करों के स्थानों पर चलने वाले विक्रेताओं का कब्जा प्रभावी रूप से खतरे को बढ़ावा दे रहा है।



**-त्रिवेणी देवांगन-**

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

## बढ़ती ठंड

कैसा ये मौसम है आया, कभी धूप सँग होती छाँव।
बैठे बिस्तर में है सारे, नहीं धरा पर रखते पाँव।।
ठिठुर रहे हैं लोग यहाँ पर, किटकिट करते सब के दाँत।
इक दूजे को करे इशारे, नहीं निकलती मुँह से बात।।
तेज सूर्य की किरणें आतीं, मिलती है ऊर्जा भरपूर।।
चौराहे पर बैठे बैठे, ठंडी को करते हैं दूर।।
स्वेटर मफलर तन को भाये, स्पर्श नहीं करते हैं नीर।
छोटे बच्चे रोते रहते, क्या ठंडी में होती पीर।।
बादल में छुप जाता सूरज, और पवन की बहती धार।
दुबके मानव घर के अंदर, काम काज से माने हार।।
बहुत बढ़ी है ठंड धरा पर, थोड़ा कम कर दो भगवान।
देह बर्फ सी जमती जाती, कहीं निकल ना जाये प्राण।।



**प्रिया देवांगन प्रियू**
राजिम
गरियाबंद
छत्तीसगढ़

प्रकाशकः दैनिक घटती-घटना

CMYK

# क्या सत्ता परिवर्तन होते ही अधिकारियों को नजर आने लगी जमीन ?

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

सही कहा गया है जैसा राजा वैसा उनके शासन में काम करने वाले जिम्मेदार, यदि राजा सही है तो जिन्हें प्रजा की देखरेख की जिम्मेदारी मिली है उन्हें अपना दायित्व अच्छे से निभाना चाहिए और प्रजा का ध्यान रखना चाहिए, पर पुरानी सत्ता में प्रजा का ध्यान रखने वाले प्रशासनिक अधिकारी निरंकुश हो चुके थे, अब सत्ता के बदलते ही उन्हें फिर से जनता के कार्यो की देखरेख करने की याद आ गई, अब फिर से प्रशासनिक अधिकारी अपना जिम्मेदारी निभाने लगे हैं और समीक्षा कर यह बताने लगे हैं कि अब जनता के लिए जो कार्य होने थे उसकी हम समीक्षा कर रहे हैं। भाजपा में अक्सर ही यह देखा जाता है की प्रजा के लिए प्रशासन को जो जिम्मेदारी दी जाती है उसे करवाने के लिए भाजपा की सरकार ध्यान भी रखती है पर पिछली सरकार में ऐसा कुछ भी देखने को नहीं मिला था, पर एक बार फिर सत्ता

- सत्ता परिवर्तित होते ही कार्यों कि होने लगी समीक्षा आखिर इससे पहले निरंकुश क्यों बैठे थे अधिकारी ?
- सत्ता बदलने के बाद कलेक्टर कुंदन कुमार के निर्देश पर सभी अधिकारियों और सीईओ जनपद ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा
- समीक्षा बैठक में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना, पेंशन, स्वच्छ भारत मिशन, निर्माण कार्यों सहित विभिन्न बिंदुओं पर की गई चर्चा

बदलते ही अधिकारियों को जमीन दिखाने लगी है और अब बताने लगे हैं वह कि हम काम कर रहे हैं और जो कार्य जनता के लिए होने थे उसकी समीक्षा भी हमने शुरू कर दी है।

ज्ञात होगी सत्ता को बदले मात्र चार दिन ही हुए हैं और इस चार दिनों में प्रशासन को यह पता चल गया है कि इस बार प्रजा का ध्यान रखने वाली भारतीय जनता पार्टी आ गई है और वह बिल्कुल भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेंगे, यही वजह है कि अब प्रशासनिक कासवट दिखने लगी है और प्रशासनिक अधिकारियों को अपने जिम्मेदारी समझ में आने लगी है सत्ता बदलने के बाद पहली बार कलेक्टर कुन्दन कुमार के निर्देश पर बुधवार को जिले में समस्त विभागों एवं जनपद पंचायतों में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। सभी अधिकारियों द्वारा अपने अधीनस्थों के साथ बैठक कर विभागीय कार्यो की समीक्षा की गई। कलेक्टर श्री कुन्दन द्वारा विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं की क्रियान्वयन की समीक्षा करते हुए सभी अधिकारी-कर्मचारियों को निर्धारित समयावधि में इसका समुचित क्रियान्वयन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं जिससे कि आम नागरिकों एवं सभी जरूरतमंद लोगों को इसका लाभ मिल सके। समीक्षा बैठक में जिला स्तरीय अधिकारियों द्वारा अपने विभागीय कार्यो और हितग्राही मूलक योजनाओं पर चर्चा कर प्रगति लाने के निर्देश दिए गए। इसी तरह समस्त सीईओ जनपद पंचायत द्वारा संबंधित जनपदों में महात्मा गांधी रोजगार गारंटी योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, विभिन्न प्रकार के पेंशन प्रकरण, स्वच्छ भारत मिशन, पीडीएस राशन वितरण, ग्राम पंचायतों में पंजी अद्यतन सहित निर्माण कार्यों की समीक्षा की गई और कार्यों में प्रगति लाने निर्देशित किया गया। कार्यों की समीक्षा के साथ ही बढ़ती ठंड को देखते हुए चौक चौराहों पर अलाव की व्यवस्था हेतु भी निर्देशित किया। जनपद में आयोजित बैठक में विभागों के एसडीओ, सब इंजीनियर, पीओ मनरेगा, तकनीकी सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, रोजगार सहायक आदि उपस्थित रहे।

# चक्रवात मिचौंग का असर दूसरे दिन भी,बढ़ी ठिठुरन

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

चक्रवाती तूफान मिचौंग का असर सरगुजा संभाग में जारी है। पिछले दो दिनों से मौसम खराब है। बारिश व तेज हवाओं के कारण ठंड काफी बढ़ी हुई है। वहीं बारिश होने से किसानों की परेशानी बढ़ गई है। धान की फसल का अभी मिसाइ का कार्य चल रहा है। इसके अलावा कई किसानों का फसल अभी खेत में ही है। इससे किसानों को भारी नुकसान की संभावना है। पिछले दो दिनों से धूप नहीं निकलने से तापमान में गिरावट दर्ज की जा रही है।

मौसम विभाग के अनुसार दक्षिण बंगाल की खाड़ी में उठे चक्रवाती तूफान मिचौंग के चलते तमिलनाडु और आंध्रप्रदेश में भारी बारिश हो रही है। इसका असर आंध्रप्रदेश से लगे छत्तीसगढ़ राज्य में भी हो रहा है। तूफान के प्रभाव सरगुजा संभाग सहित उतरी छत्तीसगढ़ में भी देखा जा रहा है। पिछले दो दिनों से आसमान में बादल छाए हुए हैं। पिछले दो दिनों से तेज हवा के साथ रिमझिम बारिश हो रही है। रिमझिम बारिश व आसमान में बादल छाए रहने से ठंड काफी वृद्धि हुई है। पूरे दिन लोग गर्म कपड़ों में ही नजर आए। वहीं शाम होते ही लोगों ने अलाव का सहारा लिया और अपने-अपने घरों में ही रहे। वहीं मौसम विभाग के अनुसार अगले एक-दो दिनों तक इसका असर रहने की उम्मीद है।

# कलेक्टर ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल का किया निरीक्षण

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

कलेक्टर कुंदन कुमार ने बुधवार की सुबह शहर व्यवसथाओं के साथ-साथ मेडिकल कॉलेज अस्पताल का जायजा लिया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त अभिषेक कुमार भी थे। निरीक्षण के दौरान उन्होंने गुरुनानक चौक, सत्तीपारा, शिवाजी चौक का निरीक्षण कर वहां साफ-सफाई का जायजा लेने के बाद मेडिकल कॉलेज अस्पताल का भी निरीक्षण किया। कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन का मूल उद्देश्य लोगों के लिए सुविधाओं को बढ़ाना है, सजग होकर बेहतर शहरी व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया है कि शहर में साफ-सफाई व्यवस्था दुरूस्त हो, इसके लिए नियमित रूप से कचरे का कलेक्शन किया जाए। नालियों की नियमित सफाई पर भी विशेष जोर देने की बात कही है। इसके साथ ही निगम क्षेत्र में सडक़ों पर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों, ठेले-गुमटियों वालों को नोटिस जारी कर यातायात व्यवस्था सुदृढ़ कराए जाने के निर्देश दिए गए।कलेक्टर कुंदन कुमार ने मेडिकल कॉलेज अस्पताल के विभिन्न वार्डो का जायजा लेकर मरीजों एवं उनके परिजनों हेतु समुचित व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। जिला चिकित्सालय के सामने अतिक्रमण पर आवश्यक कार्रवाई करने हेतु निर्देशित करते हुए ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार करने निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि जिला चिकित्सालय से 200 मीटर का एरिया नो पार्किंग जोन एवं नो वेंडिंग जोन होगा, नियमों का पालन कराने दो ट्रैफिक पुलिस के जवानों की तैनाती करने के निर्देश दिए जिससे मरीजों को सुविधा हो। बिजली व्यवस्था का अवलोकन करते हुए उन्होंने किसी प्रकार की अप्रिय घटना से बचने के लिए जिला चिकित्सालय के बाहर लगे ट्रांसफार्मर को शिफ्ट करने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया।

## शोक समाचार

**सुरजपुर।** नगर के भैयाथान रोड निवासी पूर्व पार्षद व भाजपा मंडल उपाध्यक्ष अनिल साहू का बीती रात एक सड़क दुर्घटना में असामयिक निधन हो गया । जैसे ही घटना की खबर लगी नगर में शोक की लहर दौड़ पड़ी। उनका अंतिम संस्कार बुधवार को स्थानीय नमदगिरी स्थित रेणुका नदी तट पर किया गया जिसमें परिजन सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए । स्व साहू अपने पीछे पत्नी सहित एक पुत्र एक पुत्री का परिवार बिलखता छोड़ गए है।

# अयोध्या से कुसमी आया अक्षत कलश का हिंदु समाज के लोगो ने पटाखे फोड़कर श्री राम के नारे से किया स्वागत

- संवाददाता -
कुसमी,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

हिंदु समाज के लोगो को जब पता चला की भगवान श्री राम के नगरी उत्तर प्रदेश अयोध्या से भगवान श्री राम के मंदिर के भव्य उदघाटन आने वाले जनवरी माह में होने जा रहा है,और अक्षत कलश कुसमी आ रहा है तो लोग शहर के सीमा ग्राम सेमरा में अक्षत कलश के स्वागत के लिय पहुंच गए और फिर भगवान श्री राम के नारे के साथ शिव चौक कुसमी तक अक्षत कलश को लाये फिर पटाखे फोड़कर भगवान श्री राम का नारा लगाकर अक्षत कलश पर फुल दीप दिखाकर शिव मंदिर में लाया गया जहा पर आरती दिखाई गई, दरसल जानकारी के मुताबिक इस अक्षत कलश को कुसमी शहर के सभी मंदिरों में ले जाने का कार्यक्रम आने वाले कुछ दिनों में रखा गया है हिंदु समाज के लोगो के द्वारा शहर में स्थापित मंदिरों के सभी देवी देवताओं के पास ले जाकर उन्हें भगवान श्री राम के भव्य मंदिर के उदघाटन कार्यक्रम का निमंत्रण देना है,इस कार्यक्रम के तहत ,बहरहाल अयोध्या में भगवान श्री राम के भव्य मंदिर बनाने की मांग हिंदु समाज के लोगो का कई वर्षो से था जो अब पुरा होने जा रहा है आने वाले जनवरी माह में जिससे की हिंदु समाज के लोगो में काफी खुशी है।

# शहर मे संचालित प्रमुख कबाड़ गोदामों में पुलिस की दबिश

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

अनैतिक गतिविधियों होने की आशंका पर सरगुजा पुलिस ने शहर के कबाड़ गोदामों की जांच की गई। गड़बड़ी की आशंका पर एक कबाड़ दुकान को सील कर दिया गया है। वहीं अन्य कबाड़ दुकानों की दस्तावेज की जांच की जा रही है।

जानकारी के अनुसार शहर में अवैध कबाड़ कारोबार काफी तेजी से फल फूल रहा है। अवैध करोबार की आशंका पर एसपी सुनील शर्मा के निर्देश पर एएसपी पुपलेश कुमार, सीएसपी अस्मृतिक राज नाला व एसडीओपी अखिलेश कौशिक के नेतृत्व में संयुक्त टीम द्वारा शहर के चार कबाड़ दुकानों की जांच की गई। संयुक्त पुलिस टीम द्वारा मिशन चौक, बिलासपुर चौक, खरसिया चौक एवं दरिमा मोड़ स्थित कबाड़ गोदामों की सघन जांच की गई। जांच में संदेहास्पद पाए जाने पर दरिमा मोड़ स्तिथ कबाड़ गोदाम संचालक से पूछताछ किया गया जो संचालक द्वारा उक्त संदेहास्पद कबाड़ के सम्बन्ध में आवश्यक वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किया गया। जो कबाड़ के अवैध, चोरी की होने की आशंका पर वैधानिक दस्तावेज प्रस्तुत करने हेतु संचालक को नोटिस देकर कबाड़ गोदाम को सील कर दिया गया है। कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक राजेश सिंह, थाना प्रभारी मणीपुर निरीक्षक प्रदीप जायसवाल, सहायक उप निरीक्षक भूपेश सिंह, सहायक उप निरीक्षक विवेक पाण्डेय, सहायक उप निरीक्षक नवल किशोर दुबे, सहायक उप निरीक्षक कृष्णा कुमार यादव, प्रधान आरक्षक छत्रपाल सिंह, आरक्षक विकाश सिंह, अमित विश्वकर्मा, संजीव चौबे, राहुल सिंह, अतुल शर्मा शामिल रहे।

# 25 हाथियों का दल पहुंचा नरसिंहपुर

» बारिश में पहुंचे एसडीओ और रेंजर ग्रामीण को दी समझाइश

- संवाददाता -
बलरामपुर,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

बलरामपुर जिले के राजपुर वनक्षेत्र के अंतर्गत नरसिंहपुर जंगल में 28 हाथियों का दल विवरण कर रहा है। बारिश में एसडीओ व रेंजर मौक़े पर पहुंचकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी।

प्रतापपुर क्षेत्र से 25 व पहले वाले 3 हाथियों का दल राजपुर वन परिक्षेत्र के नरसिंहपुर जंगल कक्ष क्रमांक 2746 जंगल में विचरण कर रहा है। वनकर्मियों में

तत्काल सूचना वन मंडलाधिकारी विवेकानंद झा को दी थी। सूचना उपरांत फारेस्ट एसडीओ आरएसएल श्रीवास्तव, रेंजर रेंजर महाजन लाल साहू मौके पर पहुंचकर मंगलवार को जन चौपाल लगाकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी थीं। हाथियों से बचाव के लिए ग्रामीणों को टार्च, मशाल, पम्पमलेट, मिर्च पाउडर प्रदान कर लाउडस्पीकर से अनाउंस कराया। वही बुधवार को हाथी प्रभावित क्षेत्र बारिश के बीच एसडीओ व रेंजर पहुंचकर ग्रामीणों को हाथियों से दूर रहने की समझाइश दी। 28 हाथियों के दल के चार शावक है।

### हाथी प्रभावित क्षेत्र

दुप्पी, बुढाडाड, मरकाडाड, चौरा, लोधीडाड, चिलमा, चांची, नरसिंहपुर, गोपालपुर, करवा, मुरका, दबगड़ी आदि गांवों में हाथियो से दूर रहने के लिए लाउडस्पीकर से अनाउंस करा रहे है।

# पीएचडी प्रवेश परीक्षा हेतु प्रश्न बैंक एवं संपर्क कक्षा आयोजित

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023
(घटती-घटना)।

राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा पीएचडी प्रवेश परीक्षा 2023 का प्रश्न बैंक महाविद्यालय के वेबसाइट आरजीपीजीसीएपीयूआर.इन पर उपलब्ध कराया गया है। ज्ञात हो कि संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा अंबिकापुर द्वारा 10 दिसंबर को विभिन्न विषयों में पीएचडी प्रवेश परीक्षा आयोजित होना है। इसी तारतम्य में राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, अंबिकापुर के मनोविज्ञान विभाग के शिक्षकों डॉक्टर तृप्ति विश्वास एवं ज्योति लकड़ा द्वारा उक्त प्रवेश परीक्षा मनोविज्ञान हेतु प्रश्न बैंक तैयार किया गया है। इसमें मॉडल प्रश्न के रूप में 120 वस्तुनिष्ठ प्रश्न अंग्रेजी एवं हिंदी दोनों में एवं 30 लघु उत्तरीय प्रश्न सम्मिलित किए गए हैं। इसी तरह स्नातकोत्तर भूगोल विभाग द्वारा पीएचडी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्रों के लिए एक दिवसीय संपर्क कक्षा आयोजित किया गया है। जिसमें छात्रों को प्रश्नों के स्वरूप, संभावित मॉडल प्रश्नों की संख्या का अभ्यास कराया जाएगा। मनोविज्ञान एवं भूगोल में पीएचडी प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होने वाले छात्र निःशुल्क इसका लाभ उठा सकते हैं। संस्था के प्राचार्य प्रो. रिजवान उल्ला ने इसे महत्वपूर्ण कार्य बताते हुए कहा कि इससे अवश्य ही संबंधित छात्र लाभान्वित होंगे।

# एक तरफा प्रेम में युवक ने किशोरी पर किया चाकू से हमला,गंभीर

- संवाददाता -
अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

पत्थलगांव के ग्राम मदनपुर में मंगलवार की शाम को एक युवक ने 12 वीं कक्षा की छात्रा पर चाकू से जानलेवा हमला कर दिया। छात्रा अपने सहेलियों के साथ ट्यूशन पढक़र शाम को घर लौट रही थी। उसे गंभीर स्थिति में मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना का कारण एक तरफा प्रेम बताया जा रहा है।

जानकारी के अनुसार जशपुर जिले के पत्थलगांव थाना क्षेत्र के ग्राम मदनपुर की रहने वाली 12वीं की छात्रा मंगलवार की शाम को ट्यूशन पढने गई थी। शाम को करीब 6 बजे सहेलियों के साथ ट्यूशन पढक़र वापस घर आ रही थी। तभी घर से कुछ दूरी पर रास्ते में ही गांव के रमेश बंजारे ने छात्रा के ऊपर चाकू से हमला कर दिया। चाकू पेट, सिर व गाल में लगी है। चाकू पेट में लगने से जख्म अंदर तक पहुंच गया है। इसेस किशोरी की स्थिति काफी गंभीर है। जानकारी होने पर परिजन उसे इलाज के लिए पत्थलगांव अस्पताल ले गए। यहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल अंबिकापुर रेफर कर दिया गया। यहां उसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है और उसे आईसीयू में भर्ती कराया गया है। परिजन ने घटना का कारण एकतरफा प्रेम बताया है। परिजन ने माले की रिपोर्ट पत्थलगांव थाने में दर्ज कराई है। चिकित्सकों ने बताया कि किशोरी की स्थिति गंभीर बनी हुई है। चाकू पेट में लगने से जख्म अंदर तक पहुंच गया है। इस लिए रक्तस्राव नहीं रूक रहा है। वहीं अधिक रक्तस्राव होने के कारण ब्लड की आवश्यकता पडने पर डोनर कुंडला सीटी निवासी यश जैन ने ओ पॉजेटिव ब्लड दिया है। ताकि किशोरी की जान बचाई जा सके।

# श्रीराम जन्मभूमि अयोध्या से पूजित अक्षत कलश वितरण कार्यक्रम में लोगों का दिखा उत्साह

बलरामपुर-रामानुजगंज,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।

आगामी पौष शुक्ल द्वादशी विक्रम संवत 2080 के दिन प्रभु श्री राम के बाल रूप में अयोध्या में प्राण प्रतिष्ठा नवीन मंदिर के भूतल गर्भ में की जाएगी। सनातनी हिंदुओं को आमंत्रित करने के लिए श्री राम जन्मभूमि अयोध्या से पूजित अक्षत कलश का बलरामपुर रामानुजगंज जिले के सभी खंड में वितरण आज नगर के हनुमान मंदिर से किया गया। इस दौरान श्री राम नाम संकीर्तन का भी आयोजन किया गया। अक्षत कलश के साथ पूरे नगर में शोभायात्रा भी निकल गई। जिसमें बड़ी संख्या में नगरवासी उपस्थित रहे। श्री राम जन्मभूमि अयोध्या से पूजित अक्षत कलश के वितरण कार्यक्रम में लोगों का उत्साह देखते बन रहा था। बरसते पानी के बीच जिले के सभी खण्डों से लोग अक्षत कलश लेने पहुंचे थे। यहां विधि विधान से पूजा अर्चना कर सभी को अक्षत कलश का वितरण किया गया। अक्षत कलश सभी खंड मुख्यालय तक पहुंचेगी जिसके बाद गांव-गांव तक अक्षत कलश ले जाया जाएगा एवं लोगों को प्राण प्रतिष्ठा समारोह में आमंत्रित किया जाएगा। इस दौरान श्री राम नाम संकीर्तन का आयोजन किया गया। अक्षत कलश के साथ शोभायात्रा बाजे गाजे के साथ निकाली गई। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ के पदाधिकारी, बजरंग दल के पदाधिकारी सहित विभिन्न हिन्दू संगठन के लोग उपस्थित रहे।

# खालिस्तानी आतंकी पन्नूं ने एक बार फिर दी गीदड़ भभकी

## भारत की गरिमा को चोट पहुंचाने की कही बात

**वॉशिंगटन,06दिसम्बर 2023 ।** खालिस्तानी आतंकी गुरपतवंत सिंह पन्नूं ने एक बार फिर भारत की गरिमा को चोट पहुंचाने की धमकी दी है। उसने 2001 के हमले की बरसी पर या उससे पहले ऐसा हमला करने की धमकी दी है, जो संसद की नींव को हिला देगी। वीडियो में पन्नूं ने कहा कि भारतीय एजेंसियों ने उसकी हत्या की साजिश रची थी, जो नाकाम हुई। अब वह इसके जवाब में 13 दिसंबर को संसद भवन पर हमला करेगा।

### अफजल गुरु का पोस्टर भी

अमेरिका और कनाडा की दोहरी नागरिकता रखने वाले पन्नूं ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें संसद भवन पर हमले के दोषी अफजल गुरु के साथ वाला एक पोस्टर भी जारी किया है। इस पोस्टर पर लिखा है- दिल्ली बनेगा पाकिस्तान। बता दें, अफजल गुरु को साल 2013 में फांसी दी गई थी।

### भारतीय सुरक्षा एजेंसियां हुईं अलर्ट

एसएफजे के आतंकियों की ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम करने के लिए भारतीय सुरक्षा एजेंसियां ने कमर कस ली है। वह सुरक्षा बढ़ाने में जुट गई है। साथ ही इस वीडियो का सच भी पता लगाने की कोशिश कर रही हैं।

### अमेरिका लगा चुका है यह आरोप

अमेरिकी एजेंसियों ने हाल ही में दावा किया था कि उन्होंने एक भारतीय शख्स को गिरफ्तार कर पन्नूं की हत्या की साजिश नाकाम की थी। भारतीय मूल के एक मादक पदार्थ तस्कर निखिल गुप्ता को चेक अधिकारियों ने अमेरिकी सरकार के अनुरोध पर 30 जून को प्राग हवाई अड्डे पर हिरासत में लिया था। उस पर भारतीय एजेंसियों के इशारे पर काम करने का आरोप लगाया गया था। हालांकि भारत ने इन आरोपों से साफतौर पर इनकार कर दिया था। साथ ही जांच के लिए एक हाई लेवल कमेटी भी बनाई है।

### भारत में पन्नूं आतंकी घोषित है

बता दें कि पन्नूं ने साल 2007 में सिख फॉर जस्टिस संगठन बनाया था। जुलाई 2020 में भारत ने पन्नूं को आतंकी घोषित किया था। वह आईएसआई की मदद से खालिस्तान की मुहिम चला रहा है।

### पहले भी धमकी दे चुका है पन्नूं

इससे पहले भी खालिस्तानी आतंकी पन्नू गीदड़ भभकी दे चुका है। उसने सिख लोगों से 19 नवंबर को एयर इंडिया की फ्लाइट से यात्रा न करने के लिए कहा था। उसने कहा था कि अगर एयर इंडिया से यात्रा करेंगे तो आपकी जान खतरे में पड़ जाएगी। पन्नूं ने आगे दावा किया था कि दिल्ली का इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट 19 नवंबर को बंद रहेगा और इसका नाम बदल दिया जाएगा।

# ट्रंप की मुश्किलें नहीं हो रहीं कम,यूएस कैपिटल हिंसा मामले में प्रशासन पेश करेगा सबूत

**वाशिंगटन,06 दिसम्बर 2023।** अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। पहले से ही कई मुकदमों का सामना कर रहे डोनाल्ड ट्रंप पर अब 6 जनवरी 2021 को अमेरिकी संसद यूएस कैपिटल में हुई हिंसा के मामले में अमेरिका की संघीय अपीलीय अदालत के अभियोजकों ने बड़े आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने चुनावों के बारे में झूठ बोला और हिंसा को प्रोत्साहित भी किया। इतना ही नहीं ट्रंप ने 6 जनवरी, 2021 को अपने समर्थकों को यूएस कैपिटल में भेजा था ताकि आपराधिक तरीके से चुनाव परिणामों को रोक सकें। बता दें कि संघीय अपीलीय अदालत ने पहले ही इस मामले में ट्रंप के खिलाफ मुकदमा आगे बढ़ाने का आदेश दे दिया है।

### अभियोजक बोले- पेश करेंगे ट्रंप के खिलाफ सबूत

अब इसी मामले में विशेष वकील जैक स्मिथ के अभियोजकों ने अदालत में ट्रम्प के खिलाफ कुछ नए आरोप लगाए हैं। अदालत में दाखिल किए गए कुछ नए दस्तावेजों में उन्होंने कहा कि वाशिंगटन में ट्रम्प के आपराधिक

मुकदमे में वे नवंबर 2020 के राष्ट्रपति चुनाव से पहले उनके कृत्यों और उनके बाद की कथित धमकियों को लेकर वे सबूत पेश करना चाहते हैं। जिससे जो बाइडन की चुनावी जीत को गलत साबित करने के उनके प्रयास के लिए ट्रंप के मकसद और तैयारी को साबित किया जा सके।

नौ पन्नों की फाइलिंग में अभियोजकों ने आरोप लगाया कि मुकदमे के दौरान सरकार इस बात के सबूत पेश करेगी। इसमें प्रतिवादी का सार्वजनिक समर्थन और हिंसा को बढ़ावा देना शामिल है।

### ट्रंप ने लगाए ये आरोप

इस बीच, ट्रंप के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने एक लिखित बयान जारी किया है। इसमें स्टीवन ने स्मिथ पर अगले साल के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। गौरतलब है कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव में ट्रंप भी अपनी दावेदारी पेश करने वाले हैं। चेउंग ने कहा कि ट्रंप डरेंगे नहीं और भ्रष्टसत्ता और कानून प्रवर्तन के खिलाफ सच बोलना जारी रखेंगे।

### यूएस कैपिटल हिल हिंसा में पांच की हुई थी मौत

बता दें कि साल 2020 में अमेरिका में हुए राष्ट्रपति चुनाव के नतीजों में तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हार हुई थी। इसके बाद ट्रंप समर्थकों ने यूएस कैपिटल हिल का घेराव कर लिया था। इस दौरान ट्रंप समर्थकों ने अमेरिकी संसद में तोड़फोड़ और आगजनी की। 6 जनवरी 2021 को हुई इस हिंसा में एक पुलिस अफसर समेत पांच लोगों की मौत हो गई थी। ट्रंप पर अपने समर्थकों को भड़काने का आरोप लगा था। कैपिटल हिल हिंसा मामले में कई लोगों को दोषी भी ठहराया जा चुका है। इस मामले की जांच कर रही कमेटी ने ट्रंप पर हार के फैसले को पलटने, विद्रोह भड़काने, आधिकारिक कार्रवाई में बाधा डालने, साजिश रचने और देश को धोखा देने जैसे आरोप लगाए थे।

दर्दनाक हादसा

# पहाड़ी से नीचे गिरी यात्री बस,25 लोगों की मौत

**मनीला ,06 दिसंबर 2023।** मध्य फिलीपींस के एंटिक प्रांत में एक यात्री बस के पहाड़ी से गिर जाने से कम से कम 25 लोगों की मौत हो गई है। इलोइलो शहर से 53 यात्रियों को ले जा रही बस पश्चिम की ओर एंटिक प्रांत में सैन जोस डी ब्यूनाविस्टा जा रही थी, जब यह एक सड़क किनारे बने कंक्रीट के बैरियर से टकराकर एक खड्ड में गिर गई। मरने वालों में बस चालक और उसका कलेक्टर शामिल हैं। केन्या के एक पुरुष सहित दो गंभीर रूप से घायल यात्रियों को इलाज के लिए इलोइलो शहर के एक अस्पताल में ले जाया गया। आपातकालीन कर्मचारी जीवित बचे लोगों को बचा रहे हैं और खड्ड से लोगों के शव निकाल रहे हैं।

# पूर्व कैबिनेट मंत्री के करीबी उप-निरीक्षक का तबादला किया एसपी ने

### दरिमा थाना से सीधे रक्षित केंद्र अंबिकापुर में अटैच किया

**- संवाददाता -**

**अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।** वर्तमान संदेश न्यूज/ सत्ता परिवर्तन होने के साथ ही पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के करीबी रहे उपनिरीक्षक रूपेश नारंग पर पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा ने ट्रांसफर का गाज गिरकर सीधे दरिमा थाना से रक्षित केंद्र अंबिकापुर में अटैच कर दिया है। दरअसल उप निरीक्षक रूपेश नारंग पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के काफी करीबियों में एक है. यही कारण है कि जैसे ही 2018 में कांग्रेस सत्ता में आई वैसे ही उपनिरीक्षक रूपेश नारंग का जलवा पूरे पुलिस डिपार्टमेंट में जाहिर हो गया था और ये जलवा पुरे पांच साल कायम भी रहा। पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत रहते भर पुलिस अधिकारियों की हिम्मत नहीं हुई की इस उपनिरीक्षक को कट से मस कर सकते थे जिसके कारण ही रूपेश नारंग बरियों चौकी में जलवा काटने के बाद सीधे पूर्व कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत के

विधानसभा मुख्यालय सीतापुर के थाना प्रभारी रहे। उसके बाद संभाग मुख्यालय के सबसे बड़े थाना कोतवाली अंबिकापुर में प्रभारी कोतवाल के रूप में जलवा बिखेरे इस दौरान कोतवाली थाना अम्बिकापुर का प्रभारी एक उपनिरीक्षक को बनाए जाने की सुर्खियां मीडिया में बने रहने के बावजूद तत्कालीन पुलिस अधीक्षक के द्वारा इनकों हटाने के बजाय इनको चाहते बनाए हुए थे जाहिर है इसका प्रमुख कारण कैबिनेट मंत्री अमरजीत भगत की करीबी होना ही माना जा रहा था। बहरहाल विधानसभा चुनाव परिणाम के सामने आते ही पुलिस अधीक्षक सरगुजा सुनील कुमार शर्मा ने अपना तेवर दिखाना शुरू कर दिया और मंत्री के बल पर इठलाने वाले इस उप निरीक्षक को सीधे दरिमा में थाना से उठाकर रक्षित केंद्र अंबिकापुर में पदस्थ कर दिया है। हालांकि उप निरीक्षक रूपेश नारंग के साथ अन्य पुलिस कर्मियों की भी ट्रांसफर के आदेश पुलिस अधीक्षक सरगुजा के द्वारा जारी किया गया है लेकिन इन सब में रूपेश नारंग के नाम की चर्चा पूरे शहर में जोरों पर है।

# राष्ट्रीय तीरंदाजी स्पर्धा में अभिज्ञान का किया गया चयन

**- संवाददाता -**

**सुरजपुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

कोंडागांव में आयोजित राज्य स्तरीय तीरंदाजी स्पर्धा में सूरजपुर जिले से अभिज्ञान यादव का चयन राष्ट्रीय प्रतिस्पर्धा के लिए हुआ है। 67वे राष्ट्रीय तीरंदाजी प्रतिस्पर्धा (अंडर 14)का आयोजन गुजरात के नडियाद में 12 दिसंबर से 14 दिसंबर तक आयोजित है जिसमें भाग लेने राज्य के तीरंदाजी टीम 11 दिसंबर को रायपुर से रवाना होगी। अभिज्ञान यादव स्वामी विवेकानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम स्कूल नवापारा सूरजपुर में आठवीं कक्षा के छात्र हैं। जिले में पदस्थ उप पुलिस अधीक्षक आर एस यादव के पुत्र तीरंदाजी के क्षेत्र में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं। इनके चयन से विद्यालय के शिक्षक परिजनों एवं शहर वासियों में हर्ष उल्लास का माहौल है। अभिज्ञान पूर्व मे भी राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए खेल चुके हैं और लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं।

# हम सब भूपेश बघेल के नेतृत्व में विपक्ष की भूमिका पूरी ताकत के साथ निभायेंगे:पंकज तिवारी

**- संवाददाता -**

**सुरजपुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

क्षेत्र में अपनी मजबूत पकड़ रखने वाले और जनता में लोकप्रिय कांग्रेसी नेता एवम् पूर्व जिला पंचायत सदस्य पंकज तिवारी ने बताया कि हमे प्रदेश के सबसे लोकप्रिय नेता पूर्व मुख्यमंत्री आदरणीय भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में किसान हित में कार्य करने का अवसर मिला साथ ही छत्तीसगढ़ वासियों को एक भरोसे की सरकार मिली पर राजनीति में हार जीत के कई मायने होते हैं कुछ कारण रहा होगा जो जनता ने दुबारा मौका नही दिया,सरगुजा संभाग का परिणाम काफी निराशा जनक रहा जबकि सभी कार्यकर्ताओं ने कड़ी मेहनत की थी,हम मत में जरूर हारे हैं पर जनता ने हमे संपूर्ण प्यार दिया 68000 हजार मत का सम्मान हमारी नैतिक

जिम्मेदारी है, मैं जिले की जनता को विश्वास दिलाता हूं कि विपक्ष की भूमिका बखूबी निभाऊंगा और जिले की जनता को जब जब मेरी जरूरत होगी मैं उनके साथ खड़ा रहूंगा,और उनके सुख दुख का साथी बन कर शासन प्रशासन तक उनकी आवाज बन कर सदा सक्रियता के साथ उठाता रहूंगा।

श्री तिवारी ने बताया कि राज्य के अन्य मंत्रियों का क्षेत्र में दौरा कम होना, अनुशंसा के आधार पर सत्ता एवम् संगठन में जगह पाने के कारण प्रभावशाली लोग नाराज दिखे,संभाग के बाहर के नेताओ के हस्तक्षेप से विरोध का बू एक वर्ष से अधिक समय से उठने लगा था,प्रायः प्रत्याशी विकास तो किए पर जनता से परस्पर संपर्क में नही रहे,राजीव युवा मितान क्लब जैसी महत्वाकांक्षी योजना के सदस्य पंचायत स्तर पर दो हिस्सों में बटे दिखे।

छत्तीसगढ़ वासियों को मतदान के अंतिम समय तक भूपेश बघेल जी की सरकार पर संपूर्ण विश्वास जताई जनता सरकार के प्रचंड बहुमत से आश्वस्त थी जो अपने विधायक को हराने में कोई कसर नही छोड़ी,हम सब भूपेश बघेल जी के नेतृत्व में विपक्ष की भूमिका पूरी ताकत के साथ निभायेंगे।

# सैनिक को पत्र लिखकर ग्रामीणों ने चुनाव लड़ाया और जिताया भी

**- संवाददाता -**

**सीतापुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 में 5 साल के वनवास के बाद भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में आई है। कांग्रेस के कई दिग्गज नेता मंत्रियों को नए चेहरों ने उखाड़ फेंका है। इसमें से एक सीतापुर सीट से भाजपा प्रत्याशी पूर्व सैनिक रामकुमार टोप्पो हैं। राम कुमार टोप्पो ने भूपेश सरकार में मंत्री रहे अमरजीत भगत को 17160 वोटों से हराया है। जीत के बाद आज नाम दर्ज कराने विधायक रामकुमार टोप्पो छत्तीसगढ़ विधानसभा पहुचे। उनके साथ बड़ी संख्या में कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

इस दौरान विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि मैं राजनीति में आने का सोचा नहीं था, मेरे को सीतापुर की जनता ने स्वयं पत्र लिखकर बुलाया। उनकी मांग से भाजपा ने हमें अपना प्रत्याशी बनाया और आज जीत दर्ज हुई। जनता ने क्षेत्र के तमाम समस्याओं को लिखते हुए कहा था कि आज क्षेत्र खतरे में है। मुझे सेना से इस्तीफा देकर विधानसभा चुनाव में हिस्सा लेना चाहिए।

मंत्री अमरजीत भगत को लेकर टोप्पो ने कहा कि चुनौतियों मैं नहीं मानता, शुरू से ही वहां की जनता पूर्ण रूप से हमारे साथ खड़ी थी। इसलिए मैं चुनाव नहीं लड़ रहा था। वहां की जनता चुनाव लड़ रही थी इसलिए भारी मतों से जीत कराया,जनता का जनादेश मिला है। जिम्मेदारी बड़ी है मेरे लिए वहां की जनता पहले हैं उनकी समस्याओं के लिए लड़ने आया हूं और लड़ूंगा।

# नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल के निवास पर बधाई देने वाले लोगों का लगा ताता

**- संवाददाता -**

**लखनपुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

छत्तीसगढ़ के विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 10 अंबिकापुर नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल रायपुर से 6 दिसंबर दिन बुधवार की सुबह अपने निवास लखनपुर पहुंचे। विधानसभा अंबिकापुर सहित अन्य विधानसभाओं से भी उनके समर्थक व कार्यकर्ता उनके निवास पहुंचे जहां फूल माला पहनकर व गुलदस्ता देकर जीत की बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सुबह से लेकर शाम तक सुबह से लेकर शाम तक बधाई शुभकामनाएं देने उनके निवास पर लोगों का ताता लग रहा। 15 वर्षों से अंबिकापुर विधानसभा में काबिज गद्दार कांग्रेस नेता श्री सिंहदेव को विधनसभा चुनाव में 94 वोटो से हराकर भाजपा प्रत्याशी राजेश अग्रवाल ने जीत दर्ज की। विधायक बनने के बाद राजेश अग्रवाल को तत्काल बैठक हेतु रायपुर बुला लिया गया था। बैठक स्थगित होने पश्चात बुधवार की सुबह अपने निवास लखनपुर पहुंचे जहां।उन्हें बधाई देने परिवार के सदस्य,समर्थक व कार्यकर्ताओं

मुलाकात करने पहुंचे। और जीत को लेकर उन्हें बधाई शुभकामनाएं दी। सरगुजा के जनता के बीच जन चर्चा का विषय बना हुआ है कि प्रदेश के डिप्टी सीएम रहे श्री सिंहदेव को पराजित करने वाले नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल को पार्टी की ओर से कोई बड़ी जिम्मेदारी दी जा सकती है। नवनिर्वाचित भाजपा विधायक राजेश अग्रवाल ने कहा कि सड़क बिजली पानी स्वास्थ्य शिक्षा जैसे मूलभूत समस्याओं को दूर करते हुए को दूर करते हुए जिले का विकास किया जाएगा।

# बेमौसम बारिश,कलेक्टर-एसपी पहुंचे करजी धान खरीदी केंद्र

- व्यवस्थित रूप से धान खरीदी करने के निर्देश,धान खरीदी पर किसानों से की बात
- उपार्जन केन्द्रों में धान को सुरक्षित रखने समुचित उपाय करने के निर्देश

**- संवाददाता -**

**अम्बिकापुर,06 दिसम्बर 2023 (घटती-घटना)।**

जिले में धान खरीदी जारी है। बुधवार को कलेक्टर कुन्दन कुमार और पुलिस अधीक्षक सुनील शर्मा करजी में धान खरीदी का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने धान बेचने आए किसानों से बात भी की। उपार्जन केंद्र में मौजूद महिला किसान मिथिलेश कुशवाहा से कलेक्टर ने बात कर धान खरीदी की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। महिला किसान ने बताया कि वे करजी की रहने वाली हैं और उनके पास 2.50 हेक्टेयर भूमि है। उपार्जन केंद्र में महिला किसान से धान खरीदी की ऑनलाइन एंट्री किए जाने की प्रक्रिया का कलेक्टर ने स्वयं बैठकर अवलोकन किया और किसान को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने धान की स्टैकिंग और अपने समक्ष

उपार्जन केंद्र में आए धान की आर्द्रता और तौल का अवलोकन किया।

कलेक्टर ने उपार्जन केंद्रों में की जा रही अब तक कुल धान खरीदी एवं उठाव, धान के सुरक्षित रख रखाव, बारदाने की उपलब्धता, किसानों का पंजीयन आदि के संबंध में जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। इसके साथ ही सभी एसडीएम, तहसीलदार, पटवारियों एवं संबंधित अधिकारियों को उपार्जन केंद्रों के सतत निरीक्षण के निर्देश दिए है। उन्होंने कहा कि धान खरीदी के कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने उपार्जन केन्द्रों में खरीदी पश्चात रखे गए धान को बेमौसम बारिश से सुरक्षित रखने के निर्देश दिए। उपार्जन केन्द्रों में पर्याप्त मात्रा में कैप कव्हर और पानी के निकासी हेतु आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित होना चाहिए।

जिला खाद्य अधिकारी ने बताया कि सरगुजा जिले में धान बेचने हेतु कुल पंजीकृत कृषक संख्या 58409 हैं, और पंजीकृत धान का रकबा 74770 हेक्टेयर है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष धान खरीदी का अनुमानित लक्ष्य 288134 मीट्रिक टन है। 6 दिसंबर की स्थिति में कुल 2604 किसानों से 11717 मीट्रिक टन धान की खरीदी 51 समितियों के माध्यम से की गई है। जिले में अनुमानित धान खरीदी हेतु आवश्यक बारदानों की संख्या 14406 गठान है जिसमें से आज की स्थिति में जिले नये जूट बारदाने, राईस मिलर के पुराने जूट बारदाने एवं पीडीएस से प्राप्त कुल 12756 गठान उपलब्ध हैं द्य जिले में बारदाना की कोई समस्या नहीं है। जिले में अवैध धान के 2 प्रकरण बनाये गये हैं जिसमें 330 क्विंटल धान मण्डी अधिनियम के तहत कार्यवाही की गई है।

CMYK

# कांग्रेसी कुशासन के पांच वर्ष का

# सरगुजा संभाग में हुआ अंततःसूपड़ा साफ

**अविभाजित कोरिया की तीनो सीटों पर विधायक समर्थक करते थे सत्ता का दूरूपयोग**

**भरतपुर सोनहत विधायक के साथ जुड़े थे दागदार कांग्रेसी,सोनहत क्षेत्र में समर्थको ने खूब लूटा**

**मनेंद्रगढ विधायक ने रेवड़ी की तरह बांटा था प्रतिनिधि का पद,बैकुंठपुर विधायक के निज सहायक ने मित्र मंडली के साथ मचाई लूट**

**आए दिन समर्थक भी दिया करते थे स्थानांतरण कराने की धमकी**

**गुलाब कमरो से प्रताड़ित था अधिकारी-कर्मचारी वर्ग कोरिया व एमसीबी जिले में प्रशासन पर हस्तक्षेप में ज्यादा थी रूचि**

**बैकुंठपुर के कुछ समर्थक भी बन गए थे जबरिया ठेकेदार, एक ठेकेदार ने जमा लिया था भरतपुर-सोनहत क्षेत्र में कब्जा**

-रवि सिंह-
कोरिया/एमसीबी,06 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

कांग्रेसी कुशासन के पांच वर्ष का अंत प्रदेश भर में हो गया,इससे अविभाजित कोरिया भी अछूता नही रहा, यहां की तीनों सीटों पर घटती घटना के पूर्वानुमान के मुताबिक भाजपा ने परचम लहराया, बड़ी हार के पीछे तीनो विधायक भी स्वयं जिम्मेदार थे जो कि अपने समर्थको के साथ क्षेत्र में खुला लूट मचाकर रखे हुए थे, जनता इनके कारनामो से त्रस्त थी और मौके की तलाष में थी। सत्ता का ऐसा नषा चढा था जैसे सत्ता इनकी स्थायी हो, और आजीवन यही विधायक बने रहेंगे। लेकिन जनता ने इन्हे नकार ही दिया, समर्थक जो कि लोगो को परेशान करने का काम किया करते थे वे भी अब भूमिगत हो गए हैं।

अविभाजित कोरिया की तीनों सीटो पर कांग्रेसी विधायको का कार्यकाल सिर्फ इसीलिए याद रखा जाएगा क्योंकि इन्होनें सिर्फ और सिर्फ लोगो को परेषान करने का काम किया, अपने चहेतो को उपकृत किया और पूरे पांच वर्ष सत्ता के नशे में मस्त रहें। भरतपुर सोनहत विधायक तो इतने मस्त हो गए थे कि हर शासकीय आयोजन में भी सस्ती लोकप्रियता हासिल करने के लिए जबरन डांस करने लगते थे,इन दिनों सोषल मीडिया में भी उनका एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है। बेसुर होकर वे सीएम प्रोग्राम में भी गायक बने हुए थे लेकिन जनता ने उनके सत्ता का नशा उतारकर जमीन पर ला ही दिया, इस क्षेत्र में लोगो में उत्साह का माहौल बना हुआ है।

## आईना दिखाना हमारा काम आप देखें या ना देखें आपकी मर्जी

पूर्व में प्रकाशित कई खबरें आज सच साबित हुई हैं जिन जिन खबरो को लेकर घटती घटना अखबार ने आषंका जाहिर की थी उन खबरो का सच होना ही अखबार की विष्वसनीयता है,निर्भिकता और निष्पक्षता के साथ हर खबर में आईना दिखाने और वास्तविकता से अवगत कराना ही एक उद्धेष्य है फिर भी सत्ता के नषे में चूर नेताओं एवं समर्थको को वास्तविकता नजर नही आती जो कि काफी हास्यप्रद है। अविभाजित कोरिया के तात्कालिक विधायकों को लेकर भी हमने कई बार खबरो का प्रकाषन किया लेकिन कभी भी विधायको ने इसे गंभीरता से ना लेकर उल्टे पत्रकार को ही निषाने पर रखने की कोषिष की जिसका खामियाजा आज उन्हे हार के रूप में भुगतना पड़ा है। अब सत्ता समेत विधायक भी बदल गए हैं जो नजर आएगा वह निष्चित ही लिखा जाएगा एक बार नही बल्कि बार बार लिखा जाएगा,अब इसमें आपकी समझ है कि इसे किस ढंग से देखते हैं या फिर नजरअंदाज करते हैं।

## कमरो समर्थकों ने मचाई थी लूट,देते थे स्थानांतरण की धमकी

यदि बात प्रदेश की विधानसभा क्रमांक 1 भरतपुर सोनहत के बारे में की जाए तो पूरे पांच वर्ष देखने मे मिला कि यहां गुलाब कमरो समर्थको ने सत्ता का भरपूर फायदा उठाया। वनांचल भरतपुर से लेकर सोनहत एवं मनेंद्रगढ क्षेत्र में गुलाब कमरो से जुड़े कांग्रेसियों ने इस कदर लूट मचाई की पांच वर्ष में ही इनकी लूटिया डूब गई। हर कार्य में हस्तक्षेप,गुंडागर्दी सत्ता का नषा यहां के कांग्रेसियों से सर चढकर बोल रहा था। भरतपुर क्षेत्र में ब्लाक अध्यक्ष रविप्रताप सिंह एवं अंकुर सिंह जैसे समर्थक भी अति कर चुके थे,चुनाव के दौरान भी अंकुर सिंह की दादागिरी का वीडियो वायरल हुआ था,तो वहीं रविप्रताप सिंह खुद सचिव आत्महत्या कांड को आरोपी हैं। रविप्रताप सिंह का एक पुत्र भी हत्या के मामले का आरोपी है। ऐसे लोगो का गुलाब कमरो का खुला संरक्षण प्राप्त था,तो वहीं सोनहत क्षेत्र में भी सुरेष सिंह,राजन पांडेय,अविनाष पांडे आदि समर्थको ने अति मचा रखी थी,जिसका खामियाजा गुलाब कमरो को भुगतना पड़ा है। बतलाया जाता है कि गुलाब कमरो समर्थको ने इतना कर रखा था कि किसी भी शासकीय अधिकारी कर्मचारी पर दबाव डालकर अपना काम कराते थे और ना करने पर स्थानांतरण कराने की धमकी देते फिरते थे। गुलाब कमरो के द्वारा एमसीबी के साथ ही कोरिया जिले के प्रषासन में भी हस्तक्षेप किया जाता था। तो वहीं नए नए ठेकेदार भी उनके कार्यकाल में जन्म ले लिये थे। बैकुंठपुर के एक ठेकेदार जो कि हमेषा सत्ता के विधायको के साथ सट जाते हैं इस बार गुलाब कमरो के साथ सटे हुए थे और भरतपुर क्षेत्र में उन्होने निर्माण कार्यों को अपने कब्जे में ले रखा था। हलांकि कांग्रेस की सत्ता जाने के बाद उक्त ठेकेदार के सहारा भैयालाल राजवाड़े बनेंगे ऐसा ठेकेदार का ही कहना है। वहीं कई ऐसे समर्थक भी थे जो कि विभिन्न शासकीय कार्यालयों में जाकर दबाव बनाकर काम लेते थे। भरतपुर सोनहत से लेकर मनेंद्रगढ एवं बैकुंठपुर के कार्यालयों में इनका खुला हस्तक्षेप देखने को मिलता था। अब सत्ता जाने के बाद और रेणुका सिंह जैसे तेज तर्रार नेत्री के विधायक बन जाने से गुलाब कमरो के तमाम समर्थक अंडरग्राउंड होने की स्थिति में हैं।

## अविभाजित कोरिया समेत संभाग में हुआ सूपड़ा साफ

प्रदेश भर में कांग्रेस की बुरी हार हुई सरगुजा संभाग जहां पर पूरे के पूरे कांग्रेसी विधायक थे उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव समेत सभी की हार हो गई। कोरिया में भी खुद को आजीवन विधायक समझ रहे गुलाब कमरो समेत अंबिका सिंहदेव की हार हुई। अविभाजित कोरिया में हलांकि मनेंद्रगढ से विनय जायसवाल का टिकट काट दिया गया था इसके बाद भी मनेंद्रगढ सीट पर कांग्रेस का प्रयोग काम नही आया। मनेन्द्रगढ़ को जिला बनाने का फायदा भी कांग्रेस को नही मिला और यहां से भाजपा लगभग 11 हजार मतो से विजयी हुई। भरतपुर सोनहत विधानसभा से भाजपा ने लगभग 4800 तो बैकुंठपुर विधानसभा से सर्वाधिक 25 हजार से भी अधिक मतों से भाजपा ने जीत दर्ज कर इतिहास रच दिया है, हलांकि बैकुंठपुर विधानसभा में अंबिका सिंहदेव के विरोध के कारण भाजपा को अत्यधिक वोट मिला है।

## रेवड़ी जैसे बांटा था विनय जायसवाल ने पद

मनेन्द्रगढ से पिछली बार विधायक रहे विनय जायसवाल को इस बार पार्टी ने तात्कालिक उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव के विरोध के कारण टिकट नही दिया था,पार्टी ने अधिवक्ता रमेष सिंह के रूप में एक नया चेहरा यहां से उतारा था जिसे जनता ने नकार दिया। यहां से विधायक रहे विनय जायसवाल की कहानियां भी अजब गजब हैं पूरे कार्यकाल में उन्होने विभिन्न शासकीय कार्यालयों से लेकर अस्पताल एवं थाना आदि तक में अपना प्रतिनिधी बना नियुक्त कर रखा था,चिरमिरी क्षेत्र में उनके कई समर्थक खासकर षिवांस जैन जैसे प्रतिनिधियों ने तो आतंक का राज स्थापित कर रखा था। कोयले की दलाली से लेकर अनेक गोरखधंधे इस क्षेत्र में फल फूल रहे थे,षराब को लेकर विधानसभा में तक विनय जायसवाल और गुलाब कमरो ने प्रष्न खड़ा कर दिया था। हलांकि एमसीबी को जिला बनाकर भूपेष सरकार ने वर्षो पुरानी मांग को पूरी कर दिया फिर भी जनता कुषासन से मुक्ति चाहती थी,इस क्षेत्र में पूरे पांच वर्ष अस्थिरता का वातावरण बना रहा,जिसका लाभ इस चुनाव में भाजपा को मिला,और श्यामबिहारी एक बार फिर विधायक निर्वाचित हुए।

## अंबिका के निज सहायक ने लूटिया डूबोने में नही की कोई कमी

अब बात यदि बैकुंठपुर विधानसभा क्षेत्र के बारे में की जाए तो सर्वप्रथम यह देखने को मिलता था यहां से कांग्रेस के साथ साथ व्यक्तिगत रूप से अंबिका सिंहदेव की ही हार हुई है। अपने कार्यकाल में जिस प्रकार अर्षाति का वातावरण उन्होने पूरे विधानसभा क्षेत्र में निर्मित किया वह सदियों तक याद रखा जाएगा। एक विवादित पत्रकार रहे व्यक्ति को अपना निज सहायक बनाया तभी से उनकी हार की कहानी शुरू हो गई थी,पूरे कार्यकाल में निज सहायक ने अपने मित्र मंडली के साथ मिलकर विधायक एवं कांग्रेस संगठन को भी कमजोर करने मे मुख्य भूमिका अदा की। निज सहायक के बहकावे में अनेक कांग्रेसी अंबिका सिंहदेव से दूर होते चले गए,एक संगठित गिरोह के साथ निज सहायक ने हर क्षेत्र में हस्तक्षेप किया। संगठन में कई बार बदलाव किये गए वर्षो से पार्टी के लिए काम करने वाले कांग्रेसी भी हासिए पर रखे गए। विधायक के कार्यकाल में कोरिया जिले का असंतुलित विभाजन कर दिया गया,कई दिनो के हड़ताल के बाद भी कोई निष्कर्ष नही निकला,चुनाव पूर्व जनता से काका कोरिया कुमार के सपनो को पूरा करने का भरोसा झूठा ही साबित हुआ। जिला विभाजन का मुद्दा इस चुनाव में सर चढकर बोल रहा था। शहर में चैड़ीकरण भी एक प्रमुख मुद्दा बना रहा तो वहीं विधायक की आम जनो से दूरी का खामियाजा भी भुगतना पड़ा। भाजपाई क्या कांग्रेसी भी उनके कार्यकाल में प्रताड़ित होते रहे। अंबिका सिंहदेव के कार्यकाल में कांग्रेस का एक और गुट तैयार हो गया जिसमें गिनती के ही कांग्रेसी बचे थे एक बहुत बड़ा वर्ग जो कि पिछले चुनाव में उनके साथ था वह भी उनसे दूर हो चुका था। यहां तक कि बैकुंठपुर एवं षिवपुर चरचा नगरीय निकायो में बनाये गए एल्डरमैनो को भी बदलवाकर अंबिका सिंहदेव ने इतिहास रच दिया था। संगठन में भी आए दिन बदलाव देखने को मिलता था।चंद ऐसे लोगो से वे घिरे रह गई जो कि दीदी-दीदी,बुआ-बुआ बोलकर उन्हे दिग्भ्रमित कर रहे थे। विधायक समर्थको का जिला चिकित्सालय में भी भयंकर हस्तक्षेप देखने को मिला,कैंटीन हो या पार्किंग उसे भी गलत तरीके से लेने का मुद्दा सामने आया। तो नगरपालिका के निर्माण कार्यो में भी अंबिका सिंहदेव का हस्तक्षेप था। थाना और विभिन्न शासकीय कार्यालयों में भी जबरन का प्रभाव डाला जाता था। अंबिका सिंहदेव के कार्यकाल में गांव तो क्या शहर के लोग भी उनसे मिलना कठिन मानते थे,यही वजह था कि लोग चुनाव का इंतजार कर रहे थे। अंबिका सिंहदेव ने रेत का काम करने वाले टैऊक्टर चालकों एवं वाहन मालिको भी परेषान करने में कोई कमी नही किया था यहां तक कि पंचायतो के सरपंच सचिव भी परेषान होते रहे। पूरे पांच वर्ष अराजकता की स्थिति बैकुंठपुर विधानसभा में भी निर्मित थी जिसे भांपते हुए घटती घटना अखबार ने काफी पहले ही यह अंदेषा व्यक्त किया था कि अब पैलेस की राजनीति समाप्ति की ओर जा रही है, यह खबर भी अब अंबिका सिंहदेव की हार से सच निकली है,एक लंबे हार के बाद इतना तो तय है कि अब आगामी समय में वे टिकट मांगने के लायक नही रह जाएंगी।

15 से 23 दिसंबर तक अग्निवीर थल सेना भर्ती

# आखिरकार घटती-घटना की एक और खबर पर लगी मुहर

# जिलाध्यक्ष ने ले ही लिया भईयालाल राजवाड़े की जीत का श्रेय

**खुद की पीठ थपथपा रहे भाजपा जिलाध्यक्ष कृष्ण बिहारी जायसवाल,कागजी कार्यकारणी के अनेक सदस्य चुनाव में थे निष्क्रिय,क्या सिर्फ बैकुंठपुर विधानसभा के लिए ही थे जिलाध्यक्ष,जबकि सोनहत क्षेत्र में नही थी रुचि ?**

-संवाददाता-
सूरजपुर,06 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

अग्निवीर थल सेना भर्ती कार्यालय रायपुर द्वारा जांजगीर चांपा जिले में 15 से 23 दिसंबर 2023 तक पुलिस लाइन, खोखरा भाटा जांजगीर चांपा में थल सेना भर्ती रैली का आयोजन किया गया है। थल सेना भर्ती रैली के लिये अप्रैल 2023 में ऑनलाइन सामान्य प्रवेश परीक्षा (सीईई) का आयोजन किया गया था। सूरजपुर जिले के उम्मीदवार जो थल सेना भर्ती में सीईई परीक्षा उत्तीर्ण कर चुके है उन युवाओं को 18 दिसंबर को पुलिस लाइन, खोखरा भाटा जांजगीर चांपा जिले में आयोजित भर्ती प्रक्रिया में शारीरिक दक्षता परीक्षा एवं अन्य प्रक्रिया में सहभागिता अपनी उपस्थिति देकर दर्ज करनी है। अधिक जानकारी के लिए संबंधित कार्यालय में सम्पर्क कर सकते हैं।

-रवि सिंह-
कोरिया,06 दिसंबर 2023
(घटती-घटना)।

घटती घटना की एक और खबर पर मुहर लग गई, घटती घटना ने पहले ही यह आशंका जाहिर की थी की कोरिया भाजपा जिलाध्यक्ष बैकुंठपुर विधानसभा में जीत का श्रेय अकेले ही लेंगे और वैसा होता नज़र भी आने लगा। बैकुंठपुर से निर्वाचित हुए विधायक भईयालाल राजवाड़े को जैसे ही जीत मिली वैसे ही जिलाध्यक्ष ने उनकी परछाई बनने का काम किया और अब उन्ही के साथ वह राजधानी में डटे हुए हैं और बड़े नेताओं से विधायक के साथ मुलाकात कर रहे हैं और सोशल मीडिया में खुद ही भेंट मुलाकात का मामला साझा कर रहे हैं। जिलाध्यक्ष यह पूरी तरह साबित करते नजर आ रहे हैं की बैकुंठपुर विधानसभा से जीत

उनकी मेहनत से तय हो सकी है जबकि यदि परिणामों पर गौर किया जाए तो भईयालाल राजवाड़े की जीत का श्रेय किसी एक व्यक्ति को जाता नजर नहीं आ रहा है। इस बार भईयालाल राजवाड़े की जीत का अंतर बताता है की जनता ने उन्हें खुद हाथों हांथ लिया है और उन्हे लोगों का स्वस्फूर्त समर्थन मिला है।

वैसे जिलाध्यक्ष का चुनाव जितने के बाद पहला दायित्व यह होना चाहिए था की वह अपने कार्यकर्ताओं के बीच जाते और उनका हौसला और बढ़ाते साथ ही सभी की पीठ ठोककर उन्हे जीत की शुभकामनाएं देते जिससे कार्यकर्ता भी उत्साहित होता और आगे ऊर्जा के साथ पार्टी हित में जुटा रहता लेकिन जिलाध्यक्ष ने ऐसा करना उचित नहीं समझा उन्होंने सबसे पहले जीत दर्ज कर चुके प्रत्याशी के साथ रायपुर जाना उचित समझा और उनके साथ बड़े नेताओं से मुलाकात उन्हे ज्यादा उचित समझ में आया जबकि क्षेत्र में कार्यकर्ता उत्साह मनाने पांच साल के वनवास के बाद के समय का जश्न मनाने आतुर था जो धीरे धीरे अब धूमिल होती उम्मीद उनकी होती जा रही है। जीत का उत्साह कार्यकर्ता भी अपने नेताओं और नेतृत्व कर्ताओं के साथ मनाना चाहता है वह इसके लिए उत्सुक रहता है जिसको लेकर जिलाध्यक्ष की गंभीरता नहीं देखी गई।

## भईयालाल राजवाड़े को भी अपने कदम फंकफुंककर रखने की जरूरत

इस बार भईयालाल राजवाड़े को भी अपने कदम फंकफुंककर रखने की जरूरत है, जनता ने वर्तमान विधायक को केवल इसीलिए अपना समर्थन नहीं दिया क्योंकि वह कुछ सीमित लोगों के बीच घिरी रहीं आम लोग उनसे मिलने कतार में ही खड़े रह गए अब यदि ऐसा भईयालाल राजवाड़े के साथ भी होने लगा तो उनकी सर्व सुलभ मानी जाने वाली छवि को निश्चित नुकसान पहुंचेगा जो उनके राजनीतिक भविष्य के लिए बेहतर बिलकुल नहीं होगा। वैसे जिलाध्यक्ष अकेले राजधानी में पहुंचे हैं ऐसा नहीं है विधायक के साथ उनके साथ कुछ ऐसे भी लोग तस्वीरों में नजर आ रहे हैं जो पूरे पांच साल क्षेत्र में नजर नहीं आए थे चुनाव आते ही जिन्हे क्षेत्र में देखा गया था लेकिन आज वह विधायक के साथ राजधानी की सैर पर हैं।

## सोनहत विकासखंड में ज्यादा ध्यान नहीं दिया

बता दें की जिलाध्यक्ष ने जीत दर्ज करने के बाद जब सभी बड़े नेताओं के साथ मुलाकात कर ली तब उन्हे फुरसत मिली तब जाकर उन्होंने सोशल मिडिया में भी जनता और कार्यकर्ताओं को धन्यवाद दिया जबकि यह काम भी उन्हे जीत दर्ज करते ही करना था। जिलाध्यक्ष पूरे चुनाव के दौरान केवल बैकुंठपुर विधानसभा में ही सक्रिय नजर आए उन्होंने अपने ही जिल के सोनहत विकासखंड में ज्यादा ध्यान नहीं दिया जबकि वहां से भी भाजपा प्रत्याशी चुनावी मैदान में थीं जो अलग विधानसभा था। वैसे जिलाध्यक्ष की कार्यकारणी के कितने सदस्यों ने पूरे मनोयोग से भाजपा प्रत्याशी के लिए काम किया यह भी उन्हे निष्क्रिय रहने वाले सदस्यों पर भी ध्यान देना था चुनाव परिणामों के बाद जो वह करना भूल गए और फिलहाल जीत दर्ज कर चुके विधायक के साथ वह राजधानी में डटे हुए हैं। भाजपा वैसे अनुशासित दल है कार्यकर्ता भी अनुशासन मामले में धैर्यवान है लेकिन कार्यकर्ता भी जीत दर्ज होने के पश्चात खुद की पीठ थपथपाने वाला हांथ खोजता है और यदि पीठ थपथपाने वाला हांथ ही पहले अपना हित और अपना लाभ देखने लगेगा तो कार्यकर्ता का मनोबल टूटना स्वाभाविक है।

## कार्यकर्ता का मनोबल टूटता सकता है

वैसे प्रदेश की राजधानी में जीत दर्ज कर चुके विधायकों को बुलाया गया था बैठक भी विधायक दल की ही होनी थी इसके बावजूद वहां संगठन के लोगों का जमावड़ा किस बात के लिए लगा है यह समझ से परे विषय है। हर दल में सभी स्तर के कार्यकर्ता होते हैं कोई आर्थिक रूप से सुदृढ़ होता है कोई कमजोर होता है और कमजोर कार्यकर्ता अपने लिए सत्ता आते ही सबसे पहले संगठन से उम्मीद करता है की वह उसके उत्साह में शामिल हो वहीं यदि ऐसा तत्काल नहीं होता कार्यकर्ता का मनोबल टूटता है कहीं न कहीं क्योंकि चुनाव में जितना एक प्रत्याशी अपनी साख बचाने प्रयासरत रहता है संगठन प्रयासरत रहता है उससे ज्यादा कार्यकर्ता साख को लेकर जमीनी स्तर पर कार्य करता है और लड़ने भिड़ने भी तैयार रहता है जो असल मायने में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है ऐसे में सबसे पहले संगठन को कार्यकर्ता की ही पीठ थपथपानी चाहिए।

CMYK

# जिले की समग्र विकास के लिए प्रशासन का प्रत्येक अमला सजग और सतर्क रहे : कलेक्टर

## शत प्रतिशत परिणाम मिले इसके लिए सुव्यवस्थित व योजनाबद्ध तरीके से प्रत्येक विभाग करें कार्य

-संवाददाता-
मनेन्द्रगढ़,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

कलेक्टर नरेंद्र कुमार दुग्गा की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में साप्ताहिक समय सीमा की बैठक आयोजित की गई। बैठक में श्री दुग्गा ने समस्त कार्यालय प्रमुखों का कार्यालय में समयबद्धता पर विशेष ध्यान देने पर जोर देते हुए कहा कि प्रत्येक कार्यालय प्रमुख कार्यालय में समय से 15 मिनट पूर्व पहुंचे। जिससे अधीनस्थ कर्मचारी भी कार्यालय में समय पर आये और कार्य के प्रति सजग हो जाये। इसी प्रकार सब डिवीजन, ब्लॉकों तथा सीएमओ कार्यालयों में भी समयबद्धता के साथ कार्य संपादित करने के निर्देश दिये। यदि किसी भी प्रकार की शिकायत जिला मुख्यालय में आती है तो जिला कार्यालय के प्रमुख पर सीधे कार्यवाही होगी। जिला प्रशासन में सख्ती लाने के लिए स्वयं से आगे आने की आवश्यकता है। तभी अधीनस्थ अमला भी सख्त होगा।

कलेक्टर ने समस्त विभाग को अपने विभाग के कार्यों टेबल टॉप समीक्षा करने के निर्देश देते हुए कहा कि निर्माण कार्य या अन्य कार्य है उनको पूरा करने के लिए 3 माह का समय है। इसलिए सभी अधिकारी एवं कर्मचारी युद्ध स्तर पर कार्य करने के लिए कमर कस लें। उन्होंने शिक्षा विभाग को निर्देश देते हुए कहा शिक्षा के स्तर को ऊपर उठाने के लिए व्यापक अभियान चलाया जाये। प्रत्येक ग्राम वार शाला चौपाल लगाकर गुणवत्ता युक्त परिणाम मूलक शिक्षा के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिये। स्कूल शालाओं में साफ़-सफ़ाई पर विशेष ध्यान दें। ड्रॉप आउट बच्चों की लिस्ट तैयार करें और घर घर भ्रमण कर बच्चों को स्कूल भेजने पालकों को प्रोत्साहित करें। उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को जल जीवन मिशन के अंतर्गत चल रहे कार्यों में प्रगति लाने निर्देशित किया गया। विद्युत विभाग के अधिकारी से बिजली बिल एवं लो वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणों को राहत दिलाने हेतु समय पर आवश्यक कार्यवाही करने को कहा। उन्होंने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी से आयुष्मान कार्ड बनाने में प्रगति लाने के निर्देश दिए जिससे अधिक से अधिक लोगों को आयुष्मान कार्ड का लाभ मिल सके। इसके साथ उन्होंने जिले के समस्त प्राथमिक, सामुदायिक तथा जिला अस्पताल में निरन्तर साफ-सफाई रखने के निर्देश दिये। उन्होंने जिला स्तरीय अधिकारियों से क्षेत्र भ्रमण के दौरान स्कूलों, छात्रावास, आश्रमों का नियमित निरीक्षण करने के साथ ही उपस्थिति पंजीयों का अवलोकन करने के दिये निर्देश।

सभी विभाग अपनी अपनी योजनाओं का लक्ष्य निर्धारण कर कार्य करें। उन्होंने कहा कि भारत सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं जैसे आयुष्मान भारत, मातृ वंदना, जल जीवन मिशन, प्रधानमंत्री आवास, ओडीएफ प्लस आदि पर ध्यान दें। उन्होंने सभी एसडीएम, तहसीलदार तथा ज़िला शिक्षाधिकारी को निर्देश देते हुए कहा कि जिले में शिक्षा की स्थित में सुधार करने के लिए सभी आवश्यक कार्य करें। मौसम की स्थिति को देखते हुए उन्होंने ज़िला खाद्य अधिकारी को धान ख़रीदी की व्यवस्था पर सतर्क रहने को कहा। उन्होंने कहा कि सभी विभागीय अधिकारी अपने अपने विभाग के सेट अप की जानकारी दें। उन्होंने कहा कि राजस्व के सभी कार्य धीमे गति पर चल रहे हैं, आय, जाति, निवास प्रमाण पत्रों सहित सभी कार्यों में तेज़ी लायें। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश देते हुए कहा कि अपने अपने सब अनुविभाग में जितने भी जर्जर भवन हैं निरीक्षण कर लिस्ट तैयार करें, ताकि उनके स्थान पर नया भवन तैयार कर सके। उन्होंने कहा कि जनदर्शन में गरीब वर्ग के लोग आते हैं। उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मुहैया करायें। आयुष्मान कार्ड तथा वनाधिकार पट्टा के कार्य निरंतर प्रगतिशील रहेंगे। उन्होंने एसडीएम तथा सीईओ जनपद को निर्देश दिया कि आवास का लगातार मॉनिटरिंग करें। एनआरएलएम के समस्त कार्य हितग्राही मूलक हो जिससे हितग्राही वंचित न हो। कलेक्टर ने बताया कि कॉर्पोरेट की सामाजिक जिम्मेदारी मद से बहुत से कार्य स्वीकृत किये जाते है। उनके प्रस्ताव बनाकर प्रस्तुत करें। जिसमें समय रहते कार्यवाही की जा सके। सिद्ध बाबा में सामुदायिक भवन तथा पौंडीडीह स्कूल में लैब बनाने का प्रस्ताव बनाने के निर्देश दिये। साथ ही प्रत्येक विभाग में कुछ इस तरह के बड़े प्रस्ताव तैयार करने के लिये कहा गया जिससे लोगों की सुविधाओं में और बढ़ोत्तरी हो सके। प्रपोजल में मूलभूत आवश्यकताओं और जिले के विकास को मुख्य रूप से केंद्रित पर चर्चा हुई। उन्होंने कहा जिले की समृद्धि के लिए प्रशासन का प्रत्येक अमला सजग और सतर्क होना चाहिए। प्रत्येक योजना में शत प्रतिशत परिणाम मिले इसके लिए सुव्यवस्थित व योजनाबद्ध तरीके से प्रत्येक विभाग कार्य करेंगें। सभी कर्मचारी सिविल सेवा आचरण का पालन करे। समय सीमा की बैठक में एसडीएम मनेंद्रगढ़ श्रीमती अभिलाषा पैकरा, मूलचन्द चोपड़ा, डिप्टी कलेक्टर प्रवीण कुमार भगत, विजयेन्द्र सारथी, डीईओ अजय मिश्रा, समस्त जनपद सीईओं, समस्त सीएमओं सहित अन्य जिलाधिकारी उपस्थित थे।

# एसडीएम राजपुर ने अवैध रूप से संचालित क्लीनिक को किया सील

-संवाददाता-
बलरामपुर,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व राजपुर राजीव जेम्स कुजूर एवं विकासखण्ड चिकित्सा अधिकारी के संयुक्त टीम के द्वारा गत दिवस ग्राम बरियों एवं चरगढ़ में अवैध रूप से संचालित क्लिनिक की जांच कर सील कर दिया गया।

अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री कुजूर ने बताया कि सूचना मिली थी कि ग्राम बरियों में डॉ. ए.पी. मिश्रा(बी.ए.एम.एस.) के द्वारा अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन किया जा रहा है। प्राप्त शिकायत के आधार पर संयुक्त टीम द्वारा क्लिनिक का जांच किया गया, जांच में पाया गया कि संचालनकर्ता द्वारा क्लिनिक का नर्सिंग होम एक्ट में पंजीयन नहीं कराया गया है। साथ ही क्लिनिक में आयुर्वेद चिकित्सक द्वारा एलोपैथिक ईलाज भी किया जा रहा है तथा किसी भी प्रकार का दस्तावेजों का संधारण नहीं किया जा रहा है। इसी प्रकार संयुक्त टीम ने ग्राम चरगढ़ में संचालित क्लिनिक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जांच में पाया गया कि चौधरी मेडिकल हाल के नाम से ग्राम चरगढ़ में मेडिकल दुकान संचालित है जहां एक लड़के के द्वारा मेडिकल दुकान का संचालन अवैध रूप से किया जा रहा है, उक्त लड़के के द्वारा दो महिलाओं का इलाज भी किया जा रहा था। साथ ही दुकान के नाम पर अंदर अवैध रूप से क्लिनिक का संचालन भी किया जा रहा है तथा मरीजों को भर्ती करने के लिए चार बेड भी लगाया गया था। उक्त लड़के से पूछ-ताछ करने पर संतोष जनक जवाब नहीं दिया गया। संयुक्त टीम ने कार्यवाही करते हुए उक्त दोनों क्लिनिक को सील कर दिया गया है।

## छात्र-छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता विषय पर वेबीनार का आयोजन

-संवाददाता-
बलरामपुर,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

शासकीय महाविद्यालय बलरामपुर में कम्प्यूटर एवं वाणिज्य विभाग की तरफ से एसव्ही वेल्थ पार्टनर्स के तत्वावधान में छात्र/छात्राओं के लिए वित्तीय साक्षरता विषय पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी में बचत और निवेष के बारे में जागरूकता लाना था। इसमें मुख्य वक्ता एस व्ही वेल्थ पार्टनर्स के श्री विमल झा(शेयर मार्केट एक्सपर्ट) ने म्यूचुअल फंड, एसआईपी, स्टॉक मार्केट आदि विषयों पर विस्तार से जानकारी साझा की। उन्होंने विद्यार्थियों को बचत एवं निवेश के महत्व को समझाया कि वे अपनी छोटी-छोटी बचत को सही दिशा में निवेश कर के अपने भविष्य को सुरक्षित कर सकते हैं। वेबीनार में 100 से अधिक छात्र/छात्राओं ने भाग लिया। विद्यार्थियों ने मुख्य वक्ता से अपने सवाल पूछ कर वित्तीय जानकारी भी प्राप्त की। प्राचार्य प्रो. एन.के. देवांगन ने कम्प्यूटर एवं वाणिज्य विभाग को वेबीनार आयोजन करने के लिए बधाई दी, साथ ही भविष्य में इसी तरह के आयोजन करने की शुभकामनाएं दी। श्री अनिल पाल ने कार्यक्रम का संयोजन किया तथा श्री अरूण कुमार के द्वारा मुख्य वक्ता का धन्यवाद किया गया। इस वेबीनार में कम्प्यूटर विभाग के प्रमुख श्री ओम शरण शर्मा, वाणिज्य विभाग से श्री अरूण कुमार एवं सूरज मिश्रा उपस्थित रहे।

# डीपीएस बालको का मॉडल सीबीएसई राष्ट्रीय विज्ञान प्रदर्शनी के लिए हुआ चयनित

-संवाददाता-
कोरबा,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

दिल्ली पब्लिक स्कूल बालको की टीम ने सीबीएसई क्षेत्रीय स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी-2023(भुवनेश्वर क्षेत्र) में भाग लिया। यह प्रदर्शनी एनएच गोयल वर्ल्ड स्कूल रायपुर में 4 एवं 5 दिसंबर को आयोजित की गई थी। इस प्रदर्शनी में जूनियर एवं सीनियर वर्ग में 25 स्कूलों के 45 मॉडलों का प्रदर्शन किया गया। विद्यालय की कक्षा छठवीं की छात्राएँ पूर्वा पटेल एवं आकांक्षा पटेल ने विज्ञान शिक्षक श्री प्रवीण पटेल के मार्गदर्शन में इस दो दिवसीय प्रदर्शनी के जूनियर वर्ग में भाग लिया।

प्रदर्शनी का थीम समाज के लिए विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के युग में स्वास्थ्य जीवन (पर्यावरण के लिए जीवन शैली), कृषि संचार एवं परिवहन एवं कम्प्यूटेशनल सोच पर आधारित था। विद्यालय का मॉडल जीवन पर आधारित हरा शहर था। जिसकी सभी निर्णायक मंडल के सदस्यों के साथ-साथ प्रदर्शनी में आने वालों आगतुंकों ने सराहना की एवं विद्यालय की टीम को दिल्ली में जनवरी 2024 में प्रस्तावित सीबीएसई विज्ञान प्रदर्शनी के राष्ट्रीय स्तर के लिए चयनित किया गया। इस उपलब्धि के लिए प्राचार्य श्री कैलाश पँवार एवं विद्यालय परिवार ने प्रतिभागियों,अभिभावकों एवं संबंधित शिक्षक को उनके सराहनीय योगदान के लिए शुभकामनाएं दी है ।

# बेमौसम हुए बारिश से किसानों की बढ़ी चिंता,कृषि विभाग सतर्क

-संवाददाता-
कोरबा,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

देश के निचले हिस्सों में चक्रवाती तूफान मिचोंग के आने से प्रदेश में भी कई इलाकों में इसका असर पड़ा है । विगत दो दिन से अचानक हो रहे बारिश ने किसानों की चिंता बढ़ा दी है । गनीमत यह रही कि धन की कटाई लगभग हो चुकी है,पर रबी फसल का समय होने से फसलों पर इस अचानक हुए बारिश का असर पड़ा है । किसानों का कहना है के जहां एक और इस बारिश से उन्हें बुआई करने मे लाभ मिल रहा है तो वहीं कुछ किसानों ने यह कहा की इस अचानक हुए बारिश होने से जो फसल हो चुके थे उन्हें नुकसान पहुंचा है । इस विषय को लेकर जिले के कृषि सहायक निदेशक श्री कंवर ने बताया के विगत दो दिनों में जिले में लगभग 18 द्वद्व बारिश हुई है । इस बारिश से फसलों के नुकसान को लेकर उन किसानों की बढ़ी है चिंता जो मुख्यतः रबी फसल जैसे गेंहू ,सरसों,चना की पैदावार से जुड़े हुए है पर अब तक जिले से फसल संबंधित नुकसान को लेकर कोई जानकारी नहीं आए है । उन्होंने बताया के साधारणतः रबी फसलों की पैदावार के लिए किसान नवंबर माह से बुआई का कार्य सुरू करते है अतः उनके लिए यह बारिश वरदान साबित हुआ है । उन्होंने कहा के जिला प्रशासन द्वारा रबी फसल के लिए 48050 हेक्टेयर का लक्ष्य दिया गया है जिसमे अब तक 14773 हेक्टेयर पर बुआई का कार्य पूर्ण कर लिया गया है, जो लगभग 30त्न है और बाकी सरसों,चने का फसल अभी प्रगतिगत है जिसे जल्द पूरा कर लिया जाएगा । इस वर्ष अक्टूबर माह तक बरसात होने से खेतों में नमी नहीं हो पाई जिसके कारण रबी फसल जैसे केयोरा, बट्टरा के कार्य को शुरू करने में देरी हुई क्योंकि नमी होने पर इनकी उपज ज्यादा अच्छे तरीके से होती है द्व उन्होंने इस दौरान खाद संग्रहण पर जानकारी देते हुए कहा के जिले में खाद पर्याप्त मात्रा में है । उन्होंने ने कहा के क्योंकि बरसात हो रहा है इसलिए द्विफसली क्षेत्र बिस्तर को लेकर कुछ प्रदर्शन लगवा रहे है साथ ही कृषकों को भी नवीन क्षेत्र विस्तार को लेकर जिसमें गेंहू एवं उसके वैरायटी को लगाने को लेकर सलाह दी जा रही है साथ ही कृषि विस्तार अधिकारी द्वारा बीच बीच में किसानों को ट्रेनिंग के माध्यम से विभिन्न फसलों की जानकारी एवं फसलों के वैरायटी के बारे में भी सलाह दी जा रही है तथा फसलों की किस प्रकार से देखभाल की जाए उस पर भी सलाह एवं जानकारी दी जा रही है, साथ ही साथ उन्हे खाद एवं बीज की व्यवस्था समितियों के द्वारा कराई जा रही हैं, जिससे रबी फसलों की अलग अलग वैरायटी के साथ अच्छी पैदावार हो सके ।

# विद्यार्थियों को अनुशासन,लगन एवं मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर अग्रसर होना चाहिएःश्री गुप्ता

-संवाददाता-
कोरबा,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

कोरबा डीएव्ही पब्लिक स्कूल एसईसीएल कोरबा के प्रांगण में द्विवार्षिकीय पत्रिका 'ड्यू' का हर्षोल्लास से किया गया विमोचन । इस दौरान मुख्य अतिथि आर.के. गुप्ता महाप्रबंधक (संचालन) एसईसीएल कोरबा क्षेत्र का विद्यालय के मुख्य द्वार पर वैदिक मंत्रोच्चार एवं तिलक लगाकर स्वागत किया गया। तत्पश्चात मुख्य अतिथि तथा विद्यालय की प्राचार्या सहित डीएव्ही स्टाफ एवं बच्चों ने सामूहिक हवन कर विश्व शांति की कामना की। तत्पश्चात हवन उपरांत मुख्य अतिथि, प्राचार्या, समस्त स्टाफ एवं बच्चों की उपस्थिति में 'ड्यू' पत्रिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर अतिथिगणों का औपचारिक स्वागत विभिन्न प्रकार के पौधे प्रदान कर किया गया। तदुपरांत विद्यालय की प्राचार्या अनामिका भारती ने समस्त विद्यार्थियों, शिक्षक-शिक्षिकाओं को द्विवार्षिकीय पत्रिका 'ड्यू' की विमोचन हेतु बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह विद्यालयीन पत्रिका बच्चों के ज्ञान, उनके लगन एवं अनुशासन का प्रतिफल है और विद्यार्थी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। मुख्य अतिथि आर.के. गुप्ता ने कहा कि विद्यार्थियों को लगन एवं मेहनत के साथ अपने कर्तव्य पथ पर अग्रसर होना चाहिए। विद्यार्थी जीवन ही लक्ष्य साधने की नींव होती है। इसके पश्चात विद्यालय के बाल कलाकार बच्चों द्वारा निर्मित कलाकृति मुख्य अतिथि को भेंट स्वरूप विद्यालय की प्राचार्या सहित समस्त स्टाफ सदस्यों ने भेंट की गई। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष जय प्रकाश गौतम ने आगंतुक अतिथि के प्रति आभार प्रदर्शन किया। समारोह का संचालन विद्यालय की अंग्रेजी विभागाध्यक्ष जी. सुलोचना रानी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन में पत्रिका प्रकाशन समिति के सदस्यों जेपी गौतम, जी सुलोचना रानी, मीनाक्षी तिवारी, घनश्याम तिवारी सहित विद्यालय परिवार के समस्त सदस्यों का उल्लेखनीय योगदान रहा।

**न्यायालय नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-2,जिला-सरगुजा,छ0ग0**

रा.प्र.क्र.202311021700014 /ब 121/2023-24

**ईश्तहार**

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सिठू दास आ0 स्व0 सुखनाथ दास, निवासी ग्राम असोला, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ0ग0) के द्वारा ग्राम असोला स्थित भूमि कुल खसरा 10 कुल रकबा 0.439 हे0 भूमि की द्वितीय प्रति ऋण पुस्तिका हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन के 15 दिवस के भतर इस न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 29/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

सील — नायब तहसीलदार अम्बिकापुर-02

**न्यायालय नजूल अधिकारी सूरजपुर, जिला सूरजपुर (छ0ग0)**

रा.प्र.क्र202307262000011/ अ-20(4)/2022-23

**ईश्तहार**

आगामी तिथि 19/12/2023

इस सार्वजनिक ईश्तहार के जरिये सर्व साधारण आम जनता/संस्था/विभाग को एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि आवेदक मो. सलीम आ. अब्दुल मजीद, उम्र लगभग 50 वर्ष, पेशा मिस्त्री, निवासी नगर सूरजपुर वार्ड क्र. 05, थाना, तह. सूरजपुर जिला सूरजपुर (छ.ग.) के द्वारा नगर सूरजपुर स्थित नजूल भूमि प्लाट नम्बर 1979/8 रकबा 0.08 डिसमिल भूमि जो नजूल अभिलेख में मो. सलीम आ. अब्दुल मजीद के नाम पर दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त भूमि को बैंक में बंधक रखकर अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त किये जाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। जिसके संबंध में प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन लंबित है।

अतः इस संबंध में जिस किसी व्यक्ति/संस्था/विभाग को कोई दावा/आपत्ति हो तो वे स्वयं अथवा अपने अभिभाषक/लीगल एजेंट के माध्यम से अपना दावा/आपत्ति दिनांक 19/12/2023 को न्यायालयीन अवधि दोपहर 03.00 बजे उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है हैं। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति के संबंध में कोई विचार नहीं किया जायेगा।

आज दिनांक 29/11/2023 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की पदमुद्रा से जारी किया गया

सील — नजूल अधिकारी सूरजपुर

# समूह जल प्रदाय योजना के संबंध में हुई बैठक

-संवाददाता-
सूरजपुर,06 दिसंबर 2023 (घटती-घटना)।

जल जीवन मिशन अंतर्गत समूह जल प्रदाय योजनाओं में किये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु वन भूमि/राजस्व भूमि आबंटन की प्रगति के संबंध मे जिला संयुक्त कार्यालय के सभा कक्ष में समीक्षा बैठक रखी गई थी। जल जीवन मिशन अंतर्गत जिला सूरजपुर के स्वीकृत 11 समूह जल प्रदाय योजनाओं के कार्यादेश जारी किये गये हैं, जिसके तहत कार्य प्रगतिरत है। समूह जल प्रदाय योजना अंतर्गत किये जाने वाले निर्माण कार्यों हेतु वन भूमि/राजस्व भूमि आबंटन एवं निर्मित सड़क के किनारे पाईप लाईन बिछाने हेतु आवश्यक अनुमति के संबंध में कलेक्टर एवं अध्यक्ष संजय अग्रवाल (जिला जल एवं स्वच्छता मिशन) द्वारा विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। बैठक में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व और वन मंडल अधिकारी के समक्ष विकास खण्डवार प्रकरण पर प्राप्त व अप्राप्त अनुमति प्रस्तुत किये गए। जिस पर कलेक्टर द्वारा उपस्थित संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर ठेकेदार भी उपस्थित थे। जिन्हे कलेक्टर ने तय समय सीमा योजनाबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने की बात कहीं। इसके साथ ही उन्होंने योजना के उद्देश्य के तहत प्रत्येक घर को पर्याप्त मात्रा में स्वच्छ जल मिले इस बात पर विशेष जोर दिया।

बैठक में डीएफओ पंकज कमल, एसडीएम रवि सिंह, सागर सिंह, श्रीमती दीपिका नेताम, लोक स्वास्थ्य यांत्रिक एस.बी.सिंह व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

# जूनियर महिला हॉकी विश्व कप के क्लासिफिकेशन मैच में भारत ने न्यूजीलैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराया

**सैंटियार्गो,06 दिसंबर2023।** भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम ने एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के अपने चौथे गेम में शानदार प्रदर्शन किया और मैच खत्म होने के बाद पेनल्टी शूटआउट में सडन डेथ में न्यूजीलैंड को 3-2 से हरा दिया। । निर्धारित 60 मिनट में, रोपनी कुमारी (8), ज्योति छत्री (17), और सुनेलिता टोप्पो (53) ने भारत के लिए एक-एक गोल किया, जबकि इसाबेला स्टोरी (11′), मेडलिन हैरिस (14), और न्यूजीलैंड के लिए रियाना फो (49′) ने गोल किया।

पेनल्टी शूटआउट में साक्षी राणा और प्रीति भारत के लिए मौके भुनाने में सफल रहीं, जबकि मुमताज खान ने सडन डेथ में गोल किया। दूसरी ओर, न्यूजीलैंड की हन्ना कॉटर और रियाना फो ने पेनल्टी शूटआउट में अपने शॉट्स को गोल में बदला।

अपने पिछले खेलों की तरह, भारत ने खेल की शुरुआत दमदार उपस्थिति के साथ की, लगातार न्यूजीलैंड की रक्षा पर दबाव डाला और तेजी से उनके क्षेत्र में प्रवेश किया। जवाबी हमले शुरू करके इस दबाव को कम करने के न्यूजीलैंड के प्रयासों के बावजूद, भारत ने रोपनी कुमारी (8′) के शुरुआती पेनल्टी कॉर्नर के सफल रूपांतरण के माध्यम से शुरुआती बढ़त हासिल करते हुए अपनी गति बनाए रखी।

हालाँकि, भारत का उत्साह अल्पकालिक था क्योंकि न्यूजीलैंड ने तेजी से पासा पलट दिया। इसाबेला स्टोरी (11) ने पेनल्टी कॉर्नर गोल से स्कोर बराबर कर लिया, जिसके बाद मैडलिन हैरिस (14) ने फील्ड गोल करके न्यूजीलैंड को आगे कर दिया और पहला क्वार्टर 2-1 से उनके पक्ष में समाप्त हुआ।

साक्षी राणा और प्रीति भारत के लिए मौके भुनाने में सफल रहीं

बराबरी करने के लिए दृढ़ संकल्पित, भारत ने दूसरे क्वार्टर में आक्रामक रुख अपनाया, जिससे तत्काल परिणाम मिले क्योंकि ज्योति छत्री (17) ने शांत अंत के माध्यम से एक फील्ड गोल किया, जिससे भारत फिर से बराबरी पर आ गया।

बराबरी के बाद, भारत ने रणनीतिक रूप से अपना ध्यान कब्ज़ा बनाए रखने पर केंद्रित कर दिया, जिससे न्यूजीलैंड के लिए स्कोरिंग अवसर बनाना चुनौतीपूर्ण हो गया। दूसरे क्वार्टर में कोई और गोल नहीं हुआ क्योंकि दोनों टीमों ने हाफ टाइम ब्रेक में स्कोर 2-2 के बराबर के साथ प्रवेश किया।

तीसरे क्वार्टर में, दोनों टीमों ने आक्रामक गेमप्ले का प्रदर्शन किया, जिससे स्कोर करने के कई अवसर पैदा हुए। हालाँकि, उनके प्रयासों के बावजूद, न तो भारत और न ही न्यूजीलैंड मौके का फायदा उठा पाए। अंतिम क्वार्टर का समापन गोल रहित गतिरोध के साथ हुआ, जिससे स्कोर 2-2 से बराबर रहा।

हालाँकि, न्यूजीलैंड चौथे क्वार्टर की शुरुआत में लगातार पेनल्टी कॉर्नर का फायदा उठाते हुए आगे बढ़ गया। रिआना फो (49) ने अपनी टीम को बढ़त दिलाने के लिए सटीक शॉट लगाया। बराबरी के लिए उत्सुक भारत ने अपना आक्रामक आक्रमण तेज़ कर दिया। पेनल्टी कॉर्नर पर करीबी कॉल के बावजूद, न्यूजीलैंड के गोलकीपर अरेबेला लोवरिज ने अपनी बढ़त बरकरार रखते हुए एक महत्वपूर्ण बचाव किया।

फिर भी, भारत ने लगातार हमले जारी रखे और अंततः इंजेक्टर सुनलिता टोप्पो (53′) के माध्यम से बराबरी हासिल की, जिन्होंने पेनल्टी कॉर्नर के माध्यम से गोल किया। केवल सात मिनट शेष रहने और स्कोर बराबर होने पर, दोनों टीमों ने आक्रामक रूप से विजयी लक्ष्य का पीछा किया, लेकिन गतिरोध को तोड़ने में असफल रही, जिससे मैच 3-3 पर समाप्त हुआ और पेनल्टी शूटआउट हुआ।

शूटआउट में, भारत अपने शुरुआती दो शॉट को गोल में बदलने में विफल रहा, लेकिन टीम की गोलकीपर माधुरी किंडो ने लगातार चार शानदार बचाव किए, जिससे उनकी टीम को वापसी करने में मदद मिली और पेनल्टी शूटआउट में सडन डेथ में 3-2 से जीत दर्ज की।

## हमें हर कीमत पर वनडे क्रिकेट को बचाना होगा:टैमी ब्यूमोंट

**मुंबई,06 दिसंबर2023।** दुनिया में फ्रेंचाइजी टी20 लीग के प्रसार के बीच, इंग्लैंड की सलामी बल्लेबाज टैमी ब्यूमोंट ने 50 ओवर के प्रारूप की रक्षा करने का आह्वान किया है। खासकर महिला क्रिकेट के नजरिए से। भारत में 2023 पुरुष विश्व कप सफलतापूर्वक होने के बावजूद, 50 ओवर के प्रारूप का भविष्य बहस का विषय रहा है।

टैमी ने कहा, हम पुरुषों के खेल को 50 ओवर के क्रिकेट के बारे में बात करते हुए देखते हैं। क्या यह करने लायक भी है? ठीक है, अगर महिला क्रिकेट में केवल चार देश ही टेस्ट क्रिकेट खेल रहे हैं, तो हमें हर कीमत पर 50 ओवर के क्रिकेट की रक्षा करनी होगी। मुझे लगता है कि हर कोई टेस्ट खेलने वाले कई देशों और बड़ी टेस्ट सीरीज़ खेलना पसंद करेगा। लेकिन यह वास्तविकता नहीं है।

उसी समय, यदि आप सिर्फ एक टेस्ट मैच खिलाड़ी हैं और आप साल में दो टेस्ट खेलते हैं, तो आप ज्यादा क्रिकेट नहीं खेल रहे हैं। उम्मीद है कि हम क्रिकेट के सभी प्रारूपों को बनाए रख सकते हैं और उनकी रक्षा कर सकते हैं। न कि केवल टी20 की लहर पर ध्यान दें और बाकी सब कुछ पीछे छोड़ दें।

टैमी वर्तमान में भारत के खिलाफ नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 14-17 दिसंबर तक होने वाले चार दिवसीय टेस्ट के लिए इंग्लैंड की टीम के सदस्य के रूप में मुंबई में हैं। देश नौ साल बाद महिला टेस्ट की मेजबानी करने जा रहा है। टैमी, जिन्होंने 109 वनडे मैचों में 3,650 रन बनाए हैं। उनका मानना हैं कि महिला क्रिकेट के लिए अंतर्राष्ट्रीय खेल के सभी तीन संस्करणों का ध्यान रखना महत्वपूर्ण है।

टैमी इंग्लैंड टी20 टीम की सदस्य नहीं है। उन्होंने दो साल पहले अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर यह प्रारूप खेला था और अब तक 99 मैच खेल तुकी हैं। दाएं हाथ की बल्लेबाज ने यह कहते हुए अपनी बात खत्म की कि वह लगातार अच्छा प्रदर्शन करना जारी रखेंगी। साथ ही चयन का सवाल सिलेक्शन टीम में बैठे लोगों पर छोड़ देंगी।

# कोलम्बियाई मिडफील्डर रोड्रिग्ज पर फ्लुमिनेंस की नजर

**रियो डी जेनेर्गो,06 दिसंबर 2023।** ब्राजील में मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मौजूदा कोपा लिबर्टाडोरेस चैंपियन फ्लुमिनेंस साओ पाउलो और कोलंबिया के अंतर्राष्ट्रीय मिडफील्डर जेम्स रोड्रिग्ज पर साइन करने के लिए बोली लगाने पर विचार कर रहे हैं।रिपोर्ट के अनुसार जुलाई में दो साल के सौदे पर साओ पाउलो में शामिल होने के बाद से रोड्रिग्ज चोटों और खराब फॉर्म से जूझ रहे हैं। ब्राज़ीलियाई सीरी ए क्लब के लिए 14 मैचों में 32 वर्षीय खिलाड़ी ने केवल एक गोल किया है और तीन सहायता प्रदान की है। रेडियो कैरिओक्विस ने

बताया कि फ्लुमिनेंस ने रोड्रिग्ज के साथ प्रारंभिक बातचीत की है, जो जून 2025 तक साओ पाउलो के लिए अनुबंधित है। रियो डी जेनेरो क्लब में जाने से प्लेमेकर अपने पूर्व रियल मैड्रिड सहयोगी मार्सेलो के साथ फिर से जुड़ जाएगा। जबकि उसे राष्ट्रीय टीम के साथी ज़ोन एरियस के साथ खेलने की अनुमति मिल जाएगी।रोड्रिग्ज को कथित तौर पर अन्य क्लबों के अलावा लॉस एंजेलिस गैलेक्सी, रेयाडोस डी मॉन्टेरी और बोका जूनियर्स द्वारा भी सम्मानित किया गया है।

# न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स की लगातार चौथी जीत

**अबू धाबी,06 दिसंबर 2023।** न्यूयॉर्क स्ट्राइकर्स ने अबू धाबी टी10 में अपनी जीत का सिलसिला जारी रखा, क्योंकि पिछले सीज़न के उपविजेता ने टीम अबू धाबी को पीछे छोड़ते हुए लगातार चौथी जीत हासिल की।

रहमानुल्लाह गुरबाज़ ने शीर्ष पर अपना ज़बरदस्त फॉर्म जारी रखा और 26 गेंदों में 41 रन बनाए, और ओडियन स्मिथ ने 7 गेंदों में 17 रन बनाए, स्ट्राइकर्स ने मुश्किल बल्लेबाजी सतह पर 10 ओवरों में 110/5 का ठोस कुल स्कोर दर्ज किया।

सुनील नरेन और मोहम्मद आमिर ने अच्छी गेंदबाजी करते हुए विपक्षी टीम को मुश्किल में डाल दिया। नरेन ने 16/2 के आंकड़े दर्ज किए, जबकि आमिर ने अपने 2 ओवरों में सिर्फ 8 रन दिए, क्योंकि टीम अबू धाबी 10 ओवरों में केवल 86/5 ही बना सकी और 24 रनों से हार गई।

मैच के बाद बोलते हुए, नरेन ने कप्तान कीरोन पोलार्ड के निर्णय लेने की प्रशंसा की और परिणाम को टीम की जीत बताया।

मुझे लगता है कि इस सीज़न में यह पूरी तरह से टीम वर्क रहा है। हर दिन एक अलग व्यक्ति है जो टीम के लिए प्रदर्शन कर रहा है। हर कोई अपना हाथ बढ़ा रहा है। हर कोई हर किसी की सफलता का आनंद ले रहा है और इस सीज़न में यही महत्वपूर्ण है। सहयोगी स्टाफ के कारण , हमारे पास एक आरामदायक माहौल है। हम अच्छे अंतर से जीत

रहे हैं। हम गेम-दर-गेम जीत रहे हैं। हम बहुत आगे के बारे में नहीं सोचना चाहते हैं, नारायण ने कहा।

उन्होंने कहा, मैं कई वर्षों तक पोलार्ड की कप्तानी में खेला हूं। वह आजकल थोड़ा शांत हैं लेकिन उनके कंधे पर अच्छा प्रभाव है। वह सभी पहलुओं के बारे में सोचते हैं और हर मैच में हमारी मदद करते हैं।

इस बीच, बाएं हाथ के तेज गेंदबाज आमिर ने कहा कि स्ट्राइकर्स को ट्रॉफी जीतने के लिए अभी भी कुछ और गेम जीतने की जरूरत है। जब आप जीतते हैं तो अच्छा लगता है। लेकिन अभी भी एक लंबा रास्ता तय करना है। शीर्ष पर रहने के लिए हमें अपने दोनों गेम जीतने होंगे। हमें इस गति को बनाए रखने की जरूरत है। छोटे प्रारूपों में, हमारे पास गलती की कोई गुंजाइश नहीं है। इसलिए, हमें अपना फॉर्म जारी रखना होगा।

अनुभव बहुत मायने रखता है, लेकिन यह सब कार्यान्वयन के बारे में है। आपको खुद का समर्थन करना होगा। जब मैं वहां जाता हूं, तो मैं अपनी योजनाओं को क्रियान्वित करने की कोशिश करता हूं। वरिष्ठ होने के नाते, हमारी जिम्मेदारी युवाओं को ज्ञान देना है। यह मेरा काम है। पोलार्ड वह एक प्रतिभाशाली व्यक्ति है। वह हम सभी में सबसे अनुभवी है और वह टीम का नेतृत्व करते हुए आश्चर्यजनक रूप से अच्छा प्रदर्शन कर रहा है। इसलिए टीम में यह एक अच्छा माहौल है, आमिर ने कहा।

## ब्रायन लारा ने अपने 400 और 501 रिकॉर्ड तोड़ने के लिए भारतीय प्रतिभा को चुना

**जिम्बॉब्वे,06 दिसंबर2023।** महान वेस्ट इंडीज क्रिकेटर ब्रायन लारा का दावा है कि भारतीय बल्लेबाज शुबमन गिल अपने ही 400 और 501 के विश्व रिकॉर्ड को तोड़ने की सबसे अधिक संभावना रखते हैं। लारा इतिहास में एक टेस्ट मैच में चार सौ पचास अंक हासिल करने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। उन्होंने 2004 में इंग्लैंड के खिलाफ यह कारनामा किया था और उनका 400* स्कोर आज भी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट इतिहास का सबसे बड़ा टेस्ट स्कोर है।

ब्रायन लारा ने शुबमन गिल के बारे में क्या कहा?

लारा का वर्चस्व प्रथम श्रेणी क्रिकेट तक भी पहुंच गया, जहां 1994 में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप मैच में डरहम के खिलाफ वार्विकशायर के लिए अभूतपूर्व एकल 501* रन बनाए। लारा ने आनंदबाजार पत्रिका के साथ एक साक्षात्कार में घोषणा की कि उन्हें लगता है कि गिल इस पीढ़ी के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उन्होंने यह भी भविष्यवाणी की कि 24 वर्षीय खिलाड़ी अपने करियर में कई रिकॉर्ड तोड़ेगा। शुभमन गिल मेरे दोनों रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। गिल इस नई पीढ़ी में सबसे प्रतिभाशाली बल्लेबाज हैं। वह आने वाले वर्षों में क्रिकेट पर राज करेंगे। मेरा मानना है कि वह कई बड़े रिकॉर्ड तोड़ेंगे। वह (गिल) ऐसा कर सकते हैं (तोड़ सकते हैं) मेरे रिकॉर्ड)

ब्रायन लारा का मानना है कि कई टी20 लीगों के विकास के कारण बढ़ती स्कोरिंग दरों के कारण भविष्य में बल्लेबाजी के कई रिकॉर्ड टूट जाएंगे। वेस्टइंडीज के महान क्रिकेट खिलाड़ी का दावा है कि ट्वेंटी-20 क्रिकेट की तेज-तर्रार और गतिशील प्रकृति ने समग्र स्कोरिंग पैटर्न पर बड़ा प्रभाव डाला है और ऐसा माहौल बनाया है जहां रिकॉर्ड तोड़े जा सकते हैं। लारा का आकलन खेल के क्षेत्र में बदलाव की ओर इशारा करता है, जिसमें टी20 प्रारूपों में रोमांचक और आक्रामक बल्लेबाजी पर ध्यान केंद्रित करने से पूरे क्रिकेट जगत में रिकॉर्ड तोड़ने में मदद मिलेगी।

# 8 दिसंबर के बाद होगी डब्ल्यूएफआई चुनावों की तारीख की घोषणा

**नई दिल्ली, 06 दिसंबर 2023।** भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के चुनावों के लिए अधिसूचना आठ दिसंबर को या इसके बाद जारी की जा सकती है। इस साल की शुरुआत में प्रकाशित निर्वाचन सूची में किसी भी तरह के बदलाव को भी आठ दिसंबर को ही शामिल किया जाएगा।

उच्चतम न्यायालय ने पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय द्वारा चुनावों पर लगाई गई रोक को हाल में हटा दिया था जिससे डब्ल्यूएफआई की नई संचालन इकाई को चुनने की प्रक्रिया शुरू करने का रास्ता साफ हो गया। भारत के शीर्ष पहलवानों द्वारा कथित यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने के बाद खेल मंत्रालय ने बृज भूषण शरण सिंह की अगुआई वाले महासंघ को निलंबित कर दिया था और भारतीय वुशु संघ के प्रमुख भूपेंद्र सिंह बाजवा की अगुआई में भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) द्वारा गठित तदर्थ पैनल अभी डब्ल्यूएफआई का दैनिक कामकाज देख रहा है।

ओलंपिक पदक विजेता बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक सहित कई पहलवानों ने बृज भूषण द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ यहां जंतर-मंतर पर दो महीने से अधिक समय तक धरना दिया था। जुलाई में शुरू हुई चुनाव प्रक्रिया में अदालत में मामले दायर होने से विलंब हुआ। इसके बाद अंतरराष्ट्रीय महासंघ यूनाईटेड वर्ल्ड रेस्लिंग ने भी निर्धारित समय में चुनाव नहीं कराने के लिए डब्ल्यूएफआई को निलंबित कर दिया।

उच्चतम न्यायालय के चुनावों का रास्ता साफ करने के बाद निर्वाचन अधिकारी न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) एमएम कुमार ने 30 नवंबर को एक बैठक की और बाजवा से पूछा कि क्या 12 अगस्त को निर्धारित चुनावों के लिए शुरू में 25 जुलाई 2023 को अधिसूचित निर्वाचक मंडल में कोई बदलाव हुआ है। निर्वाचन अधिकारी के कार्यालय से जारी बयान में कहा गया,''डब्ल्यूएफआई के चुनाव कराने का रास्ता साफ हो गया है जिस पर चुनाव कराने की तय तारीख से ठीक एक दिन पहले 11 अगस्त को पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय ने रोक लगा दी थी।''

सहायक निर्वाचन अधिकारी तापस भट्टाचार्य ने बयान में कहा, ''निर्वाचन अधिकारी ने बाजवा से यह बताने के लिए कहा कि क्या 25 जुलाई 2023 को पहले से अधिसूचित निर्वाचक मंडल में कोई बदलाव हुआ है... उनसे यह जानकारी जल्द से जल्द उपलब्ध कराने को कहा गया। बाजवा ने एक सप्ताह का समय मांगा। पूरी जानकारी पांच दिन के भीतर यानी आठ दिसंबर या उससे पहले उपलब्ध कराई जाए ताकि चुनाव कराने की अंतिम अधिसूचना जारी की जा सके।

# रवि तेजा की फिल्म ईगल का पहला सिंगल आदु माचा प्रोमो जारी

मास महाराजा के रूप में व्यापक रूप से पहचाने जाने वाले प्रसिद्ध अभिनेता रवि तेजा, कार्तिक घट्टामनेनी द्वारा कुशलतापूर्वक निर्देशित अपने आगामी सिनेमाई उद्यम ईगल के साथ एक बार फिर दर्शकों को लुभाने के लिए तैयार हैं। 13 जनवरी, 2024 को अपनी बहुप्रतीक्षित रिलीज़ को चिह्नित करते हुए, फिल्म में काव्या थापर और अनुपमा परमेश्वरन की प्रतिभाशाली जोड़ी प्रमुख भूमिकाओं में है। जैसे ही फिल्म अपने भव्य प्रीमियर के लिए तैयार हो रही है, टीम ने रणनीतिक रूप से अपना संगीत प्रचार शुरू कर दिया है, और पहले एकल, आदु माचा के पूर्वावलोकन के साथ प्रशंसकों को चिढ़ाया है, जिसे लोकप्रिय गायक राहुल सिप्लिगुंज ने कुशलतापूर्वक प्रस्तुत किया है। साथ में जीवंत वीडियो में रवि तेजा को पारंपरिक पोशाक में सजे हुए, जंगल में आयोजित एक धार्मिक उत्सव में ऊर्जावान नृत्य अनुक्रम पेश करते हुए दिखाया गया है।पीपल मीडिया फ़ैक्टरी के बैनर तले प्रभावशाली पैमाने पर निर्मित, ईगल में न केवल करिश्माई रवि तेजा हैं, बल्कि नवदीप, श्रीनिवास अवसारला और मधुबाला सहित कई शानदार कलाकार भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। फिल्म एक मनोरम कथा और असाधारण प्रदर्शन का वादा करती है, जो दर्शकों को अपनी सीटों से बांधे रखती है।

## जाह्नवी कपूर ने खूबसूरत लुक में दिखाया सिजलिगं अवतार, बॉसी लुक से जीता दिल

बॉलीवुड एक्ट्रेस जाह्नवी कपूर अपनी एक्टिंग के साथ-साथ अपने ग्लैमरस अवतार के लिए जानी जाती हैं। इंटरनेट पर अक्सर उनका स्टाइलिश लुक वायरल रहता हैं। एक बार फिर जाह्नवी कपूर अपने ग्लैमरस और स्टनिंग लुक से लाखों फैंस का दिल घायल कर रही हैं। आइए देखते हैं जाह्नवी कपूर का स्टाइलिश अवतार।

जाह्नवी कपूर के इस स्टनिंग लुक की बात करें तो जाह्नवी कपूर कोट पैंट में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। ब्लू कलर के कोट पैंट में जाह्नवी कपूर बेहद ग्लैमरस लग रही हैं। लाइट मेकअप खुले बालों में जाह्नवी कपूर कमाल की लग रही हैं। इंटरनेट पर उनके इस लुक को काफी पसंद किया जा रहा हैं. ऐसा पहली बार नहीं है जब उनके किसी को लुक को पसंद किया जा रहा हो, इससे पहले भी उनके बोल्ड अवतार इंटरनेट पर सनसनी मचा चुके हैं। जाह्नवी कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो जाह्नवी कपूर कई फिल्मों में काम कर चुकी हैं। जल्द ही एक्ट्रेस मिस्टर एंड मिसेज माही फिल्म में नजर आएंगी. इससे पहले जाह्नवी कपूर फिल्म बवाल में नजर आई हैं।

जाह्नवी कपूर सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. उनका इंस्टाग्राम उनकी बोल्ड और स्टनिंग फोटो से भरा हुआ है। जाह्नवी कपूर अक्सर इंस्टाग्राम पर अपना ग्लैमरस लुक शेयर कर लाखों फैंस को हैरान कर देती हैं।

## डंकी का इमोशन और ह्यूमर से भरपूर ट्रेलर रिलीज

शाहरुख खान इन दिनों अपने करियर के एक शानदार दौर से गुजर रहे हैं। इस साल आई उनकी दोनों फिल्में पठान और जवान ब्लॉकबस्टर रहीं। अब अभिनेता की फिल्म डंकी का इंतजार है, जिसके टीजर और गानों पर दर्शकों ने जमकर प्यार बरसाया है।बीते दिन जब डंकी के ट्रेलर को लेकर सुगबुगाहट शुरू हुई तो यह सोशल मीडिया पर ट्रेंड करने लगा।अब आखिरकार शाहरुख अपनी इस बहुप्रतीक्षित फिल्म के ट्रेलर के साथ हाजिर हो गए हैं।ट्रेलर में शाहरुख का किरदार हार्डी इंगलैंड जाना चाहता है, लेकिन उसके पास सही कागजात नहीं हैं। वह चोरी-छुपे डंकी फ्लाइट (अवैध रास्ता) का इस्तेमाल कर विदेश पहुंच जाता है, लेकिन वहां पहुंचकर उसका दिल वापस अपने घर और अपने देश पहुंचने का करता है।ट्रेलर में शाहरुख की दोस्तों के साथ मस्ती भरी जिंदगी, तापसी पन्नू उर्फ मन्नू संग उनका रोमांस और कॉमेडी का तड़का इसे देखने लायक बनाता है, लेकिन इन सबके परे यह भावुक भी करता है।

यह फिल्म उन लोगों के बारे में है, जो एक बार घर और देश से बाहर तो चले जाते हैं, लेकिन ये जमीन उन्हें फिर खींच लाती है। शाहरुख अपने सपने साकार करने की जद्दोजहद और जिंदगी बदलने की एक बेमिसाल कहानी लाने वाले हैं।

शाहरुख के मुताबिक, यह फिल्म ऐसी है, जो दर्शकों के चेहरे पर एक मुस्कान लेकर आएगी। इसे देखने के बाद न सिर्फ उन्हें अपने परिवार, बल्कि देश से भी प्रेम हो जाएगा।कुछ दिनों पहले उनके एक फैन ने पूछा था कि डंकी क्या खास लेकर आएगी तो इस पर शाहरुख ने कहा था, फिल्म में राजकुमार हिरानी हैं और क्या चाहिए?शाहरुख यह भी बोल चुके हैं कि उनकी इस फिल्म के लिए भी सिनेमाघरों में जमकर भीड़ जुटेगी।

डंकी में शाहरुख की जोड़ी पहली बार तापसी के साथ बनी है। इसमें दीया मिर्जा, बोमन ईरानी भी अहम किरदारों में हैं।फिल्म में धर्मेंद्र और सतीश शाह भी हैं, वहीं विक्की कौशल और काजोल मेहमान भूमिका में नजर आएंगे। हिरानी के निर्देशन में बनी इस फिल्म का निर्माण शाहरुख की पत्नी गौरी खान और ज्योति देशपांडे ने किया है।इसके जरिए शाहरुख ने पहली बार हिरानी संग काम किया है। डंकी 21 दिसंबर को सिनेमाघरों का रुख करेगी।

## विधानसभा चुनाव 2023 में भारी मतों से चुनाव जीतने के बाद भाजपा ने तोड़फोड़ कर मचाया कहर

# मूणत ने पूछा,अवैध कब्जों का संरक्षक कौन?

» रायपुर के साथ बिलासपुर में भी चला बुलडोजर





रायपुर, 06 दिसंबर 2023(ए)। रायपुर में अवैध कब्जों, गुमटियों, ठेलों पर निगम का बुलडोजर लगातार चल रहा है। इसे लेकर महापौर एजाज ढेबर ने आरोप लगाया कि गरीबों की रोजी-रोटी छीनी जा रही है। वहीं पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने सवाल उठाते हुए कहा कि आखिर राजधानी रायपुर में इन अवैध कब्जों को संरक्षण कौन दे रहा था? शहर के संजय नगर में आज अवैध कब्जों पर बुलडोजर चल रहा है। डामर सड़क के आधे हिस्से पर नींव डालकर बनाई गई 12 दुकानों को नगर निगम ने धराशाही किया है। 3 साल पहले रिंग रोड से लगाए बकरा मार्केट के पीछे सड़क को आधाकर कई दुकानें संचालित किया जा रहा था। जिस पर प्रशासन ने कार्रवाई की है। बता दें कि बीजेपी की सत्ता में वापसी के बाद दूसरी कार्रवाई है। 5 सालों से किए गए अवैध कब्जों पर प्रशासन की कार्रवाई लगातार जारी रहेंगी। इसके लिए निगम से लेकर प्रशासन स्तर के सभी अफसरों को सख्त चेतावनी भी दी गई है।इस बीच बुलडोजर कार्रवाई पर विधायक राजेश मूणत ने कहा कि बीजेपी का मत स्पष्ट है कि शहर विकसित प्लानिंग के साथ बसना चाहिए. अधिकारियों की जिम्मेदारी थी, उन पर किसका दबाव था, कौन इस प्रकार के कामों को संरक्षण देता था?

पूर्व मंत्री राजेश मूणत ने कहा कि हमने भय मुक्त प्रशासन की बात कही थी. जनता का सम्मान होना चाहिए. चौराहे पर, अड्डे पर, असामाजिक तत्वों का जमावड़ा लगा रहता था. माता-बहनें जब निकलती तब किसी जाति समाज की नहीं होती. अलग-अलग कमेंट्स किए जाते थे. हमने विपक्ष में रहते हुए सरकार को सचेत करने का काम किया था।

इधर राजधानी रायपुर के अलावा न्यायधानी बिलासपुर में भी अवैध दुकानों, गुमटियों व चखना सेंटरों पर निगम और पुलिस की संयुक्त टीम के द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई की जा रही है। इसका विरोध भी हुआ, मगर पुलिस बल ने विरोध करने वालों को खदेड़ दिया वहीं जगह-जगह हुए अवैध कब्जों को नगर निगम के बुलडोजर ने ढहा दिया।

### कांग्रेस ने पूरे शहर को चौपट कर दिया, इसलिए जिले की

### सातों सीटों पर हारी...

छत्तीसगढ़ में 15 साल तक राज़ करने वाली भाजपा को 2018 में हार का सामना करना पड़ा था। 2023 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने राजनैतिक पंडितों की भविष्यवाणी को गलत साबित करते हुए एक बार फिर प्रदेश की राजनीती के सिंहासन में विराजमान हो चुकी है। बीजेपी की जीत के बाद पश्चिम विधायक राजेश मूणत के तीखे तेवर दिखाते हुए कांग्रेस पर तीखा हमला बोला है। कांग्रेस ने राजनीति में मेरे चरित्र की हत्या करने की कोशिश की

बीजेपी की एकतरफा जीत के बाद रायपुर पश्चिम से बीजेपी विधायक राजेश मूणत ने मिडिया से बातचीत के दौरान तीखे तेवर दिखाते हुए कहा कि, चौपाटी विवाद, स्काईवाक से प्रदेश की कानून व्यवस्था व्यवस्था लचर हो गई थी। कांग्रेस ने राजनीति में मेरे चरित्र की हत्या करने की कोशिश की है। कांग्रेस राज में ना खाता ना बही, कांग्रेस ने जो कहा वो सही वाली कहानी चल रही थी। स्काईवाक की घटना को कांग्रेस का ताबूत बनाकर मैं जनता को समर्पित करुंगा। उन्होंने आगे कहा कि, कांग्रेस ने पुरे शहर को चौपट कर दिया ही, इसलिए कांग्रेस के हाथ से 7 सीटें चली गयी।

## अभी तो ये झांकी है...पूरा छत्तीसगढ़ बाकी है



राजधानी में अवैध चौपाटी पर बुलडोजर चलाने की कार्रवाई को लेकर बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि अभी तो ये झांकी है पूरा छत्तीसगढ़ बाकी है। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में भाजपा ने प्रचंड जीत दर्ज की है।

जीत के बाद अब भाजपा एक्शन मोड पर दिखाई दे रही है। राजधानी रायपुर में अवैध रूप से चल रहे चौपाटी पर अब बुलडोजर की एंट्री हो गई है। भाजपा विधायक बृजमोहन अग्रवाल ने अपने आफिशियल अकाउंट ट्विटर पर बुलडोजर की एक तस्वीर शेयर किया है और कैप्शन में लिखा है कि अभी तो ये झांकी है पूरा छत्तीसगढ़ बांकी है।

प्रदेश में भाजपा की जीत के बाद राजधानी रायपुर समेत कई शहरों में बीजेपी एक्शन मोड पर दिखाई दे रही है। रायपुर में अवैध रूप से चल रहे चौपाटी पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। वहीं दूसरी ओर एनआईटी और साइंस कॉलेज स्थित अवैध चौपाटी पर भी निगम का बुलडोजर चला है।

## छत्तीसगढ़ के सभी 90 नव-निर्वाचित विधायकों की सुरक्षा बढ़ी

रायपुर, 06 दिसंबर 2023 (ए)। छत्तीगढ़ में विधानसभा चुनाव जीत कर आने वाले सभी 90 नवनिर्वाचित विधायकों की सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई है। इसके अलावा पूर्व विधायकों की भी सुरक्षा बढ़ाई गई है जिसके तहत अतिरिक्त पीएसओ को तैनात किया गया है, इसमें नक्सल प्रभावित बस्तर और सरगुजा से लेकर अन्य स्थानों से पहली बार निर्वाचित विधायक शामिल हैं। इसके लिए विशेष रुप से प्रशिक्षित जिला बल के 500 जवानों को जिम्मेदारी सौंपी गई है।

बताया जाता है कि विधानसभा चुनाव के पहले ही निर्वाचित विधायकों को तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराने के निर्देश सभी जिलों के एसपी को दिए गए थे। वहीं चुनाव में हारने वाले और पूर्व विधायकों की सुरक्षा को आगामी आदेश तक यथावत रखने कहा गया था। बता दें कि राज्य में नई सरकार के गठन के बाद जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध सुरक्षा का गृह विभाग रिव्यू करेगी।

### कद के अनुसार सुरक्षा

गृह विभाग के अधिकारियों का कहना है कि नई सरकार के गठन के बाद मंत्रियों और विधायको को जरूरत के अनुसार सुरक्षा मिलेगी। मंत्रियों को 2 से 3 और विधायकों को 1 से 2 पीएसओ को दिया जाएगा। संवेदनशील क्षेत्रों को देखते हुए इसका निर्णय लिया जाएगा। बता दें कि आईबी की रिपोर्ट पर गृहमंत्रालय ने विधानसभा चुनाव से पहले राज्य के 24 नेताओं की अस्थाई रूप से सुरक्षा बढ़ाई गई थी। पूर्व मुख्यमंत्री अमित जोगी को 'जेड' श्रेणी की सुरक्षा और अन्य 23 नेताओं को 'एक्स' श्रेणी की सुरक्षा दी गई थी। इसे दिसंबर तक यथावत रखने कहा गया था।

### पहली बार बने 38 नए विधायक

प्रदेश में पहली बार करीब 38 विधायक पहली बार चुनकर आए है। इन सभी को निर्वाचित होते ही तत्काल सुरक्षा उपलब्ध कराई गई है। 2023 में हुए चुनाव में भाजपा को 54, कांग्रेस को 35 और अन्य को 1 सीट मिली हैं।

## भाजपा की सरकार आते ही केवाईसी के लिए एचपी गैस कार्यालय में महिलाओं की बढ़ी भीड़

रायपुर,06 दिसंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा चुनाव दौरान भाजपा ने घोषणा पत्र जारी की थी। जिसमें सभी वर्गों के लिए कल्याणकारी योजनाएं लाने की बात कही गई। वहीं इस बार भाजपा ने महिला मतदाताओं पर भी अधिक फोकस किया। जिसके तहत महिलाओं को 12 हजार रुपए हर साल एवं 500 रुपए में रसोई गैस सिलेंडर देने की बात कही थी। इन्हीं सब वायदों के बीच महिलओं ने मतदान में बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया और पुरुषों से ज्यादा मतदान की है। महिला मतदाताओं के मतदान के प्रतिशत से अनुमान लगाया जा रहा है कि इस बार के चुनाव में सरकार बनाने में महिलाओं की भूमिका अहम है।

छत्तीसगढ़ में अब भाजपा की सरकार आ चुकी है। इसी वादे के चलते अब एचपी गैस कार्यालय में महिलाओं की भारी भीड़ देखने को मिली। सुबह से ही बरसते पानी में महिलाएं केवाईसी के लिए एचपी गैस कार्यालय में लाइन लगाकर बैठी हुई हैं। अब 500 रुपये में एलपीजी गैस सिलेंडर पाने के लिए छत्तीसगढ़ में केवाईसी के लिए महिलाओं की भीड़ देखने को मिल रही है।

## छत्तीसगढ़ विधानसभा में भाजपा पर कौन पड़ेगा भारी

» नेता प्रतिपक्ष के लिए भूपेश सहित ये पांच नाम सबसे आगे

रायपुर, 06 दिसंबर 2023(ए)। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के बाद विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष कौन होगा यह बड़ा सवाल हैं। कांग्रेस के नौ मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा है। इसमें कई अच्छे वक्ता भी रहे। ऐसे में अब यह सवाल उठ रहा है कि पांच वर्षों तक विधानसभा में कांग्रेस को प्रतिनिधित्व करने वाला चेहरा किसका होगा।

राजनीतिक विश्लेषकों का इशारा पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की तरफ है, लेकिन छत्तीसगढ़ के विधानसभा में मुख्यमंत्री को नेता प्रतिपक्ष बनाया गया हो, ऐसा कभी नहीं हुआ। ऐसे में अब कांग्रेस की नजर वर्तमान ऐसे विधायकों पर हैं, जो कि विधानसभा की कमान संभाल सकते हैं। कांग्रेस के जिन 35 विधायकों ने जीत हासिल की है। इनमें से 14 पहली बार विधानसभा चुनकर आए हैं, वहीं 21 विधायकों में कई प्रत्याशी दूसरी बार विधायक बने हैं।




चुनिंदा नाम ही सामने कांग्रेस में नेता प्रतिपक्ष की जिम्मेदारी के लिए मुखर स्वर वाले नेताओं की कमी महसूस की जा रही है। वर्तमान में विधानसभा अध्यक्ष डा. चरणदास महंत, विधायक उमेश पटेल, कोंटा विधायक कवासी लखमा, बस्तर विधायक लखेश्वर बघेल का नाम आगे किया जा रहा है। कांग्रेस की महिला विधायकों में अनिला भेंड़िया को वर्तमान में सबसे वरिष्ठ विधायक बताया जा रहा है। सूत्रों के मुताबिक कांग्रेस में इस प्रमुख पद के लिए चुनिंदा नाम ही सामने आया है। इसका फैसला प्रदेश कांग्रेस कमेटी की बैठक में किया जाएगा।

## जीएडी सचिव के खिलाफ कर्मचारियों में रोष,मंत्रालय में हंगामा

रायपुर, 06 दिसंबर 2023(ए)। मंत्रालय कर्मचारी संघ ने आज दफ्तर शुरू होते ही जीएडी सचिव डीडी सिंह का घेराव कर उन्हें कार्य मुक्त करने की मांग की। सिंह संविदा पर कार्य कर रहे हैं।कर्मचारियों का कहना है कि सिंह ने पूरे दो वर्ष से मंत्रालय कैडर की पदोन्नतियां रोक कर रखा और सेटअप पुनरीक्षण भी नहीं होने दिया। आज सुबह जब कर्मचारी उनसे मिलने गए तो पदोन्नति शुरू करने से इंकार कर दिया । इसी से नाराज कर्मियों ने उनका विरोध शुरू कर दिया।

# किसानों को 21 क्विंटल धान खरीदी के आदेश का इंतजार

### क्या होगा कांग्रेस सरकार की कई प्रमुख योजनाओं का...?

रायपुर,06 दिसंबर 2023 (ए)।छत्तीसगढ़ में धान की सरकारी खरीदी जारी है मगर चुनाव निपट जाने का बावजूद अब भी अधिकांश किसान अपना धान बेचने के लिए केंद्रों में नहीं पहुंच रहे हैं। दरअसल भाजपा ने अपने घोषणा-पत्र में प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की घोषणा की है। किसानों को इसका इंतजार है कि सहकारी समितियों में 21 क्विंटल का आदेश कब से लागू होगा।

वहीं धान खरीदी की लिमिट व भुगतान पर अधिकारियों का कहना है कि सरकार के दिशा-निर्देशों के मुताबिक निर्णय लिया जाएगा।

### जो किसान बेच चुके, उनका क्या होगा...?

प्रदेश में चार लाख से अधिक किसान सहकारी समितियों में अपना धान बेच चुके हैं। इन्हें 2,650 रुपये के हिसाब से 4,700 करोड़ से ज्यादा का भुगतान भी हो चुका है। अब ऐसे किसानों को क्या दोबारा धान बेचने की अनुमति मिल पाएगी। उन्हें 3,100 रुपये की राशि कैसे मिलेगी, इस पर संशय बना हुआ है।

### कांग्रेस की कई योजनाओं पर लटकी तलवार

छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की हार के बाद अब पिछली सरकार की विभिन्न योजनाओं के भविष्य में संचालन पर तलवार लटक रही है, जिसमें राजीव युवा मितान क्लब से लेकर गोठानों में गोबर खरीदी, बिजली बिल हाफ योजना व स्वामी आत्मानंद अंग्रेजी माध्यम स्कूल योजना, बेरोजगारी भत्ता आदि शामिल हैं।

### बिजली बिल हाफ योजना

बिजली बिल हाफ योजना का लाभ प्रदेश के 48 लाख उपभोक्ताओं को मिल चुका है। साथ ही उपभोक्ताओं को 4,300 करोड़ रुपये की छूट भी मिल चुकी है। नियमों के मुताबिक उपभोक्ताओं को 400 यूनिट बिजली बिल की खपत पर बिजली बिल हाफ योजना का लाभ मिलता है। राज्य सरकार द्वारा छूट की राशि डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी को ट्रांसफर की जाती है। अधिकारियों के मुताबिक नवंबर महीने के बिल में उपभोक्ताओं को दिसंबर महीने में छूट मिलेगी लेकिन जनवरी में क्या स्थिति होगी, यह नई सरकार के निर्णय के बाद लिया जाएगा।

### गोबर खरीदी

गोधन न्याय योजना के तहत हितग्राहियों को अब तक 600 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। गोठानों में गोबर खरीदी योजना के अंतर्गत हितग्राहियों से दो रुपये प्रति किलो के हिसाब से गोबर खरीदी की जा रही है। भाजपा ने गोठानों के साथ गोबर खरीदी में 1,300 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार का आरोप लगाया है। भाजपा ने इसे बिहार के चारा घोटाले से भी बड़ा घोटाला बताया।

### बेरोजगारी भत्ता

कांग्रेस सरकार ने चुनावी साल में बेरोजगारी भत्ता की घोषणा की थी। 12वीं पास 1.17 लाख बेरोजगारों ने रोजगार कार्यालय में पंजीयन कराया। इन्हें 2,500 रुपये के मान से बैंक खाते में बेरोजगारी भत्ता दिया जा रहा है। भाजपा सरकार आने के बाद इस योजना पर भी ग्रहण लगने की आशंका है। यह योजना अप्रैल 2023 से लागू की गई है।

स्वामी आत्मानंद स्कूल = भूपेश सरकार द्वारा सरकारी हिंदी माध्यम स्कूलों को अंग्रेजी माध्यम स्कूलों में बदलकर यहां शिक्षा का स्तर बेहतर करने का प्रयास किया गया। छत्तीसगढ़ में कुल 171 आत्मानंद स्कूल खोले गए हैं, जिसमें 1.72 लाख छात्र अध्ययनरत हैं। अंग्रेजी माध्यमों के साथ 32 हिंदी माध्यम उत्कृष्ट स्कूल भी संचालित हैं। बताया जा रहा है कि इस सरकारी योजना को बंद करने की बजाय इसका नाम बदला जा सकता है। छात्रों की पढ़ाई प्रभावित नहीं होगी।

### राजीव युवा मितान क्लब

छत्तीसगढ़ में राजीव युवा मितान क्लब के सदस्यों को प्रति वर्ष एक लाख रुपये के मान से राशि प्रदान की जा रही है। इस संस्था का कार्य गांवों में कला व संस्कृति के बढ़ावे के साथ सांस्कृतिक व खेलकूद की गतिविधियों को आगे बढ़ाना था। र

### रीपा योजना

महात्मा गांधी रूरल इंडस्ट्रियल पार्क (रीपा) का अस्तित्व भी खतरे में नजर आ रहा है। प्रदेश के गोठानों में रीपा योजना के तहत गांवों को आत्मनिर्भर बनाने की योजना लागू की गई थी। भाजपा के आने के बाद इस योजना पर भी संकट के बादल मंडरा रहे हैं।

## मूंछ मुंडवाने वाले बयान पर फंसे पूर्व खाद्यमंत्री

»केदार कश्यप ने कहा- मूंछ मुड़वाने में मैं करूंगा उनकी मदद

रायपुर,06 दिसंबर 2023(ए)। छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव 2023 के परिणाम आने के बाद भाजपा पूर्ण बहुमत के साथ सरकार बनाने जा रही है। प्रदेश में कांग्रेस की हार और बीजेपी की जीत हर ओर चर्चा है। वहीं सियासी बयानबाजी भी जारी है.। इस बीच पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के मूंछ मुंडवाने वाले बयान पर बीजेपी उन्हें रेडार में लेने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं। अब अमरजीत भगत को केदार कश्यप ने आड़े हाथों लिया है और कहा कि भगत चाहे तो मैं ही उनकी मूंछ मुड़वाने में उनकी मदद करूंगा।

बता दें कि चुनाव से पहले पूर्व मंत्री अमरजीत भगत के मूंछ मुड़वाने के बयान और उनके वीडियो वायरल होने पर भाजपा नेता केदार कश्यप ने कहा कि जनता ने उनके गुरुर को तोड़ने का काम किया, उनके दावे खत्म हो गए। अमरजीत भगत मेरे पड़ोसी हैं वे चाहे तो मैं ही उनकी मूंछ मुड़वाने में उनकी मदद करूंगा। बुलडोजर को लेकर भाजपा नेता केदार कश्यप ने कहा कि भ्रष्टाचार, कुशासन पर बुलडोजर चलेगा. जो गलत करेगा, उस पर बुलडोजर चलेगा। हमारे कार्यकर्ताओ में जोश और जुनून है। छत्तीसगढ़ में आदिवासी मुख्यमंत्री के चेहरे पर केदार कश्यप ने कहा कि उद्देश्य था कि सरकार बने. सभी जगह बेहतर परिणाम और सबका समर्थन प्राप्त हुआ। सबका साथ, सबका विकास यही लेकर चलते हैं. विधायक दल की बैठक के बाद सीएम का फैसला होगा।

बस्तर और सरगुजा की सीट पर मिली बढ़त को लेकर केदार कश्यप ने कहा, कांग्रेस ने 75 पार की बात कही थी। सारे दिग्गज नेता हार गए। पीसीसी चीफ दीपक बैज घमंड के साथ कहते थे मैं केवल फॉर्म भरने जाऊंगा, वोट मिल जायेगा फिर प्रमाण पत्र लूंगा। कांग्रेस ने जनता को टॉलरेट किया. भाजपा के मंडल अध्यक्ष ने उन्हें हराया है।

खुद के सीएम बनने की इच्छा पर केदार कश्यप ने कहा मैंने दावा नहीं किया। भाजपा ने पद प्रतिष्ठा सम्मान दिया है. मुझे विधायक मंत्री प्रदेश में महामंत्री की जिम्मेदारी दी गई. इसे बड़ा दायित्व और क्या हो सकता है।

## 8 दिसंबर को दिल्ली में होगी कांग्रेस की समीक्षा बैठक

रायपुर, 06 दिसंबर 2023 (ए)।प्रदेश में कांग्रेस को मिली करारी हार को लेकर 8 दिसंबर को दिल्ली में समीक्षा बैठक होगी। कांग्रेस की करारी हार के बाद प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज का बयान आया है। कांग्रेस की हार के बाद प्रदेश अध्यक्ष पद से इस्तीफा देंगे क्या? इस सवाल पर उन्होंने कहा कि छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सामूहिक नेतृत्व में चुनाव लड़ी थी। कोई एक चेहरे पर चुनाव नहीं लड़ा गया था। दीपक बैज ने कहा मुझे 4 महीने का ही समय मिला। जिसमें बहुत काम किया। वहीं



टी.एस सिंहदेव और अमरजीत भगत के बयानों पर कहा कि चुनाव परिणाम विपरीत आने के बाद इस तरह के बयान आते हैं।

उनके बयानों को पार्टी स्तर पर समीक्षा की जाएगी।

## करणी सेना अध्यक्ष के हत्यारों को फांसी देने की मांग

रायपुर, 06 दिसंबर 2023 (ए)। जयपुर में मंगलवार को राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की घर में घुसकर हत्या कर दी गई थी। गोगामेड़ी की हत्या को लेकर छत्तीसगढ़ में भी राजपूत समाज में आक्रोश है। राजपूत करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष सुखदेव सिंह गोगामेड़ी की हत्या के विरोध में छत्तीसगढ़ के राजपूत क्षत्रीय समाज ने विरोध प्रदर्शन किया और आक्रोश रैली निकालकर हत्यारों को फांसी की सजा देने की मांग की। इस कड़ी में राजपूत क्षत्रिय समाज के सदस्यों ने पहले तेलीबांधा में धरना-प्रदर्शन किया। इसके बाद रैली निकालकर राजभवन पहुंचे, जहां राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपकर हत्या के आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई। राजभवन से समाज के लोगों ने कलेक्ट्रेट परिसर तक रैली निकाली।

प्रकाशक,मुद्रक,स्वामी अविनाश कुमार सिंह के द्वारा सांई ऑफ्सेट प्रिंटर्स,नमनाकला,संत हरकेवल विद्यापीठ के पास,अम्बिकापुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-अविनाश कुमार सिंह* (पी.आर.बी.कानून के अनुसार संपूर्ण संपादकीय दायित्व के लिए जिम्मेदार)
RNI Reg.No. CHHHIN/2004/15050,मो. 94062-23001,98265-32611,Email:ghatatighatana11@ gmail.com,Website:www.ghatatighatana.com, (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र अम्बिकापुर न्यायालय मान्य होगा)